● वर्ष-3

● अंक-177

रायपुर, रविवार
03 मार्च 2024

● पृष्ठ-8

● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› जाह्नवी ने स्टैंड अप कॉमेडी में ...

भाजपा ने लोस चुनाव के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी

रायपुर से बृजमोहन उम्मीदवार, 9 चेहरे बदले गए, संतोष पांडे और विजय बघेल को फिर मौका

छग की सभी सीटों पर प्रत्याशी घोषित

चिंतामणी महाराज
सरगुजा

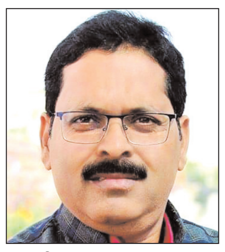

राधेश्याम राठिया
रायगढ़

कमलेश जांगड़े
जांजगीर-चांपा

सरोज पांडेय
कोरबा

तोखन साहू
बिलासपुर

संतोष पांडेय
राजनांदगांव

विजय बघेल
दुर्ग

बृजमोहन अग्रवाल
रायपुर

रुप कुमारी चौधरी
महासमुंद

महेश कश्यप
बस्तर

भोजराज नाग
कांकेर

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 का शंखनाद कर दिया है। पार्टी ने शनिवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने बताया कि 16 राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 195 सीटों के उम्मीदवार तय कर दिए गए हैं। बाकी सीटों पर मंथन चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से चुनाव लड़ेंगे। अमित शाह गांधीनगर से चुनावी मैदान में होंगे। 34 केंद्रीय एवं राज्य मंत्रियों के नाम भी इस सूची में हैं। इसके अलावा दिवंगत सुषमा स्वराज की बेटी को भी लोकसभा का टिकट दिया गया है।

भाजपा की सूची में क्या खास?

- 195 नामों का एलान
- 34 केंद्रीय व राज्य मंत्रियों का नाम सूची में
- 28 महिलाओं को मौका
- 47 युवा उम्मीदवार, जिनकी उम्र 50 साल से कम है
- 27 नाम अनुसूचित जाति से
- 18 प्रत्याशी अनुसूचित वर्ग से
- 57 नाम अन्य पिछड़ वर्ग से

किस राज्य से कितनी सीटों पर प्रत्याशियों का एलान?

विनोद तावड़े ने बताया कि उत्तर प्रदेश की 51, पश्चिम बंगाल की 26, मध्य प्रदेश की 24, गुजरात की 15, राजस्थान की 15, केरल से 12, तेलंगाना से नौ, असम से 11, झारखंड से 11, छत्तीसगढ़ की 11, दिल्ली की पांच, जम्मू-कश्मीर की दो, उत्तराखंड की तीन और अरुणाचल, गोवा, त्रिपुरा, अंडमान-निकोबार और दमन और दीव की एक-एक सीट पर प्रत्याशी तय किए गए हैं।

वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अंडमान-निकोबार से विष्णुपदा रे, अरुणाचल वेस्ट से किरण रिजिजू, अरुणाचल ईस्ट से तापिर गाव

असम- करीमगंज से कृपानाथ मल्ला, सिलवर से परीमल शुक्ला वैद्य, आटोनोमस से अमर सिंह, गुवाहाटी से बिजुली कलिता मेदी, मंगलदोई से दिलीप सहकिया, तेजपुर से रणजीत दत्ता, नौगांव से सुरेश बोरा, कलियाबौर से कामाख्य प्रसाद तासा, जोरहाट से तपन कुमार गोगोई, ड्रिबूगढ़ से सर्वानंद सोनोवाल, लखीमपुर से प्रधान बरोआ

छत्तीसगढ़- सरगुजा से चिंतामणि महाराज, रायगढ़ से राधेश्याम राठिया, जाजगीर चंपा से कमलेश जांगड़े, कोरबा से सरोज पांडे, बिलासपुर से तोखन साहू, राजनंदगांव संतोष पांडे, दुर्ग से विजय बघेल, रायपुर से बृजमोहन अग्रवाल, महासमुंद से रूपकुमारी चौधरी, बस्तर से महेश कश्यप, कांकेर से भजराज नाग

दमन एवं दीव- दमन एवं दीव से लालूभाई पटेल

दिल्ली- चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल, उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत, दक्षिणी दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी,

गोवा- उत्तर गोवा से श्रीपद येस्सो नाइक

गुजरात- कच्छ से विनोदभाई लखमाशी चावड़ा, बनासकांठा से रेखाबेन हितेशभाई चौधरी, पाटण से भरतसिंहजी दाभी, गांधीनगर से अमित शाह, अहमदनगर पश्चिम से दिनेशभाई कोडरभाई मकवाना, राजकोट से परषोत्तम रुपाला, पोरबंदर से मनसुखभाई मंडाविया, जामनगर से पूनमबेन माडम, आणंद से मितेशभाई रमेशभाई पटेल, खेड़ा से देवुसिंह चौहान, पंचमहल से राजपालसिंह महेंद्रसिंह जाधव, दाहोद से जसवन्तसिंह भाभोर, भरूच से मनसुखभाई वसावा, बारडोली से प्रभुभाई नागरभाई वसावा, नवसारी से सीआर पाटिल

जम्मू एवं कश्मीर- उधमपुर से जितेंद्र सिंह, जम्मू से जुगल किशोर शर्मा

झारखंड- राजमहल से ताला मरांडी, दुमका से नील सोरेन, गोड्डा से निशिकांत दुबे, कोडरमा से अन्नपूर्णा देवी, रांची से संजय सेठ, जमशेदपुर से विद्युत बरण महतो, सिंहभूम से गीता कोड़ा, खूंटी से अर्जुन मुंडा, लोहारदगा से समीर उरांव, पलामू से विष्णु दयाल राम, हजारीबाग से मनीष जयसवाल

केरल- कासरगोड से एम.एल. अश्विनी, कण्णूर से सी.रघुनाथ, वडकरा से प्रफुल्ल कृष्ण, कोजिक्कोड से एम.टी. रमेश, मलप्पुरम से अब्दुल सलाम, पोन्नानी से निवेदिता सुब्रमण्यन, पालक्कड से सी. कृष्णकुमार, त्रिशूर से सुरेश गोपी, अलपुझा से शोभा सुरेंद्रन, पत्तनमतिट्टा से अनिल के. एंटनी, अट्टिंगल से वी. मुरलीधरन, तिरुवनंतपुरम से राजीव चन्द्रशेखर

मध्य प्रदेश- मुरैना से शिवमंगल सिंह तोमर, भिंड से संध्या राय, ग्वालियर से भारत सिंह कुशवाह, गुना से ज्योदिरादित्य सिंधिया, सागर से लता वानखेड़े, टीकमगढ़ से वीरेन्द्र खटीक, दमोह से राहुल लोधी, खजुराहो से वीडी शर्मा, सतना से गणेश सिंह, रीवा से जनार्दन मिश्र, सीधी से राजेश मिश्रा, शहडोल से हिमाद्री सिंह, जबलपुर से आशीष दुबे, मंडला से फग्गन सिंह कुलस्ते, होशंगाबाद से दर्शन सिंह चौधरी, विदिशा से शिवराज सिंह चौहान, भोपाल से आलोक शर्मा, राजगढ़ से रोडमल नागर, देवास से महेंद्र सिंह सोलंकी, मंदसौर से सुधीर गुप्ता, रतलाम से अनिता नागर सिंह चौहान, खरगोन से गजेन्द्र पटेल, खंडवा से ज्ञानेश्वर पाटिल, बैतूल से दुर्गा दास उइके,

राजस्थान- बीकानेर से अर्जुन राम मेघवाल, चुरू से देवेंद्र झाझरिया, सीकर से स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, अलवर से भूपेंद्र यादव, भरतपुर से रामस्वरूप कोली, नागौर से ज्याति मिर्धा, पाली से पीपी चौधरी, जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखावत, बाड़मेर से कैलाश चौधरी, जालैर से लुम्बाराम चौधरी, उदयपुर से मन्नालाल रावत, बांसवाड़ा से महेंद्र मालवीय, चित्तौड़गढ़ से सीपी जोशी, कोटा से ओम बिड़ला, झालावाड़-बारां से दुष्यंत सिंह,

तेलंगाना- करीमनगर से बंढी संजय कुमार, निजामाबाद से अरविंद धर्मपुरी, जहीराबाद से बीबी पाटिल, मल्काजगिररि से ईटेला राजेंदर, सिकंदराबाद से जी. किशन रेड्डी, हैदराबाद से माधवी लता, चेलवेल्ला से कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, नगरकुर्नूल से पी. भरत, भोंगीर से बोरा नरसैयाह गौड़,

त्रिपुरा- त्रिपुरा पश्चिम से बिप्लब कुमार देब

उत्तराखंड- टिहरी गढ़वाल से माला राज्य लक्ष्मी शाह, अल्मोड़ा से अजय टम्टा , नैनीताल-उधमसिंह नगर से अजय भट्ट,

उत्तर प्रदेश- कैराना से प्रदीप कुमार, मुजफ्फरनगर से संजीव कुमार बालियान, नगीना से ओम कुमार, रामपुर से घनश्याम लोधी, संभल से परमेश्वर लाल सैनी, अमरोहा से कंवर सिंह तंवर, गौतम बुद्धनगर से महेश शर्मा, बुलंदशहर से भोला सिंह, मथुरा से हेमा मालिनी, आगरा से सत्यपाल सिंह बघेल, फतेहपुर सीकरी से राजकुमार चाहर, एटा से राजवीर सिंह (राजू भैया), आंवला से धर्मेन्द्र कश्यप , शाहजहांपुर से अरुण कुमार सागर, खीरी से अजय मिश्रा टेनी, धौरहरा से रेखा वर्मा, सीतापुर से राजेश वर्मा, हरदोई से जय प्रकाश रावत, मिश्रिख से अशोक कुमार रावत, उन्नाव से साक्षी महाराज, मोहनलालगंज से कौशल किशोर, लखनऊ से राजनाथ सिंह, अमेठी से स्मृति ईरानी, प्रतापगढ़ से संगम लाल गुप्ता, फर्रुखाबाद से मुकेश राजपूत, इटावा से राम शंकर कठेरिया, कन्नौज से सुब्रत पाठक, अकबरपुर से देवेन्द्र सिंह भोले, जालौन से भानु प्रताप सिंह वर्मा, झांसी से अनुराग शर्मा, हमीरपुर से कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल, बांदा से आरके सिंह पटेल, फतेहपुर से निरंजन ज्योति, बाराबंकी से उपेंद्र रावत, फैजाबाद से लल्लू सिंह, अम्बेडकरनगर से रितेश पांडेय, श्रावस्ती से साकेत मिश्रा, गोंडा से कीर्तिवर्धन सिंह, डुमरियागंज से जगदम्बिका पाल, बस्ती से हरीश द्विवेदी, संतकबीरनगर से प्रवीण कुमार निषाद, महराजगंज से पंकज चौधरी, गोरखपुर से रवि किशन , कुशीनगर से विजय कुमार दुबे, बांसगांव से कमलेश पासवान , लालगंज से नीलम सोनकर, आजमगढ़ से दिनेश लाल यादव निरहुआ, सलेमपुर से रविन्द्र कुशवाहा, जौनपुर से कृपा शंकर सिंह, चंदौली से महेंद्र पांडेय,

पश्चिम बंगाल- कूच बिहार से निशिथ प्रमाणिक, अलीपुरद्वार से मनोज तिग्गा, बेलूरघाट से सुकांता मजूमदार, मालदाहा उत्तर से खगेन मुर्मू, मालदा दक्षिण से श्रीरूपा मित्रा चौधरी, बहरामपुर से निर्मल कुमार साहा, मुर्शिदाबाद से गौरी शंकर घोष, राणाघाट से जगन्नाथ सरकार, बनगांव से शांतनु ठाकुर, जॉयनगर से अशोक कंडारी, जादवपुर से अनिर्बान गांगुली, हावड़ा से रथिन चक्रवर्ती, हुगली से लॉकेट चटर्जी, कांथी से सौमेन्दु अधिकारी, घाटल से हिरण्मय चट्टोपाध्याय, पुरुलिया से ज्योतिर्मय सिंह महतो, बांकुड़ा से सुभाष सरकार, बिष्णुपुर से सौमित्र खान, आसनसोल से पवन सिंह, बोलपुर से प्रिया साहा

29 फरवरी को हुई थी अहम बैठक- इससे पहले गुरुवार को पार्टी ने देर रात तक मंथन किया था। केंद्रीय चुनाव कमेटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित अन्य सदस्यों ने कई नामों को अंतिम रूप दिया था।

प्रमुख समाचार

सच्चा सामाजिक न्याय, तुष्टिकरण से नहीं संतुष्टिकरण से आता है: मोदी

बेगुसराय। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के बेगुसराय में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले ऐसे आयोजन दिल्ली के विज्ञान भवन में होते थे, लेकिन आज मोदी ने दिल्ली को बेगुसराय ला दिया है... करीब 30 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं सिर्फ बिहार के लिए हैं। उन्होंने कहा कि आज यहां से बिहार सहित, पूरे देश के लिए 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। एक ही कार्यक्रम में सरकार का इतना बड़ा निवेश ये दिखाता है कि भारत का सामर्थ्य कितना बढ़ रहा है। इससे बिहार के नौजवानों को यहीं पर नौकरी के अनेकों नए अवसर बनेंगे। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज के ये प्रोजेक्ट, भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाने का माध्यम बनेंगे। आज की ये परियोजनाएं बिहार में सुविधा और समृद्धि का रास्ता बनाएंगी। ऐसे ही काम हैं, जिसके कारण आज देश पूरे विश्वास से कह रहा है- अबकी बार... 400 पार। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह रहा है, जब-जब बिहार और ये पूर्वी भारत समृद्ध रहा है, तब-तब भारत भी सशक्त रहा है। जब बिहार में स्थितियां खराब हुईं, तो देश पर भी इसका बहुत बुरा असर पड़ा।

विभाजन के बाद पहली बार शरद-अजित ने किया मंच साझा

बारामती। आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान बारामती में वर्चस्व स्थापित करने के लिए उनके बीच तीव्र लड़ाई के बीच शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार ने शनिवार को निर्वाचन क्षेत्र में एक मेगा जॉब मेले के उद्घाटन पर संभावित चुनाव उम्मीदवारों सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार के साथ मंच साझा किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने बारामती के विकास के लिए अजित पवार की सराहना की। अजित की पहल के तहत महायुति सरकार ने बारामती शहर में मेगा जॉब फेयर नमो महारोज़गार मेलावा का आयोजन किया। सभी की निगाहें दो दिवसीय कार्यक्रम पर टिकी थीं, जिसे सत्तारूढ़ गठबंधन द्वारा राजनीतिक लाभ हासिल करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। शुरुआत में इस कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किए जाने के बाद, शरद पवार ने मौजूदा बारामती सांसद सुप्रिया सुले के साथ राज्यसभा सांसद के रूप में इसमें शामिल होने की इच्छा व्यक्त करके सत्तारूढ़ गठबंधन को चौंका दिया था।

जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पर सिद्धारमैया को क्यों हो रही है परेशानी?

नई दिल्ली। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जयप्रकाश हेगड़े ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक जाति जनगणना की रिपोर्ट सौंपी। 2014 में, कांग्रेस सीएम के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, सिद्धारमैया ने राज्य की विभिन्न जातियों के साथ-साथ उनकी सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक स्थिति की गणना करने के लिए रिपोर्ट बनाई थी। सिद्धारमैया ने रिपोर्ट प्राप्त करते हुए कहा कि इसे अगली बैठक में कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। कैबिनेट तय करेगी कि सर्वे की सिफारिशें मानी जाएंगी या नहीं। इस रिपोर्ट के पिछले नवंबर में पांच राज्यों के चुनावों के दौरान जारी होने की उम्मीद थी, लेकिन राज्य के प्रभावशाली वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों द्वारा इसकी रिलीज के विरोध के कारण इसमें देरी हुई।सर्वेक्षण का राज्य के दो प्रमुख समुदायों, लिंगायत और वोक्कालिगा ने विरोध किया है, जिन्हें डर है कि सर्वेक्षण से पता चलेगा कि उनकी संख्या अनुमान से बहुत कम है। इसके मुताबिक, दोनों समुदाय पहले ही सर्वे को अवैज्ञानिक बता चुके हैं।

सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ीं, एलजी ने दिया सीबीआई जांच का ऑर्डर

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को कथित तौर पर जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच करने की मंजूरी दे दी। जांच एजेंसी ने जैन पर ठग सुकेश चन्द्रशेखर सहित कई हाई प्रोफाइल कैदियों से सुरक्षा राशि प्राप्त करने का आरोप लगाया है, जिसके बदले में उन्हें जेल में शांति और आराम से रहने में सक्षम बनाया गया। जैन के पास दिल्ली कैबिनेट में स्वास्थ्य, गृह और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित कई प्रमुख विभाग थे। उन्हें मई 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने कहा है कि दिल्ली के पूर्व मंत्री ने कथित तौर पर प्रोटेक्शन मनी के तौर पर चंद्रशेखर से 10 करोड़ रुपये की उगाही की। तत्कालीन डीजी जेल संदीप गोयल और तत्कालीन अतिरिक्त जेल महानिरीक्षक मुकेश प्रसाद के साथ सहयोगी अधिकारियों, निजी व्यक्तियों और सहयोगियों की मिलीभगत से दिल्ली की जेलों में एक उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार और जबरन वसूली रैकेट फल-फूल रहा था।

आर्थिक विकास के मामले में भाजपा सरकार कांग्रेस से बहुत पीछे

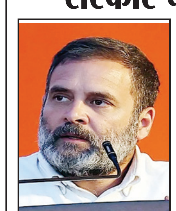

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर अर्थव्यवस्था के लिए स्पीड ब्रेकर होने का आरोप लगाया और कहा कि आर्थिक विकास के मामले में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कांग्रेस के सामने कहीं नहीं ठहरती। उन्होंने केंद्र सरकार पर उसे वक्त निशाना साधा है जबभारत की आर्थिक वृद्धि 2023-24 की तीसरी तिमाही में 8.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। इसका मुख्य कारण विनिर्माण, खनन और उत्खनन एवं निर्माण क्षेत्रों द्वारा अच्छा प्रदर्शन बताया जा रहा है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, संप्रग सरकार में तेज़ी से आगे बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नरेन्द्र मोदी 'स्पीड ब्रेकर' बन गए हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने गरीबों को मज़बूत कर विकास को गति दी, वहीं नरेंद्र मोदी चंद मित्रों के फायदे के लिए देश को खोखला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतियों में देशवासियों को आगे रखे बिना, देश का विकास असंभव है। राहुल गांधी ने दावा किया, झूठे प्रचार के विपरीत आर्थिक मोर्चे पर भाजपा सरकार कांग्रेस के आस-पास भी नहीं है। आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के दौरान सबसे ज्यादा संकट में बसपा नजर आ रही

मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों का शंखनाद बस होने ही वाला है। सीटों की संख्या की दृष्टि से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सभी दल अधिकतम सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इस लक्ष्य को साधने के लिए प्रदेश में विपक्ष का इंडी गठबंधन बनकर तैयार हो गया है जिसमें समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का काफी ना-नुकुर के बाद तालमेल हो गया है। भारतीय जनता पार्टी राम लहर व विकास की लहर पर सवार होकर सभी 80 सीटों पर विजय प्राप्त करने की बात कह रही है और हर सीट पर केवल जिताऊ उम्मीदवार को ही टिकट देने का निर्णय कर चुकी है। वहीं बसपा अभी तक अकेले ही चुनावी मैदान में उतरने की बात कह रही है किंतु उसके सामने सबसे बड़ी समस्या टिकाऊ व जिताऊ उम्मीदवारों का न होना है। बसपा नेत्री मायावती को अब अपने ही सांसदों पर भरोसा नहीं रह गया है और कहा जा रहा है कि वह अपने सभी 10 सांसदो के टिकट काटने जा रही है ऐसे में टिकट कटने के भय व अपनी राजनीति को सुधारने की दृष्टि से कई सांसद पाला बदलने की तैयारी में लग गये हैं और कुछ ने पाला बदल भी लिया है।

त्रिकोणीय संघर्ष में मायावती के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपना पिछला प्रदर्शन बचाकर रखना है। विगत 2019 के लोकसभा चुनावों में बसपा को सपा रालोद गठबंधन के साथ लड़ने के कारण 10 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी किंतु अब समीकरण और गठबंधन दोनों ही काफी बदल गए हैं। बसपा सांसद एक के बाद एक मायावती का साथ छोड़कर जा रहे हैं।

यह भी सुनने में आ रहा है कि बसपा के कई वर्तमान व पूर्व सांसद भाजपा व कांग्रेस के साथ संपर्क बनाकर चल रहे हैं। अभी तक बसपा के जो सांसद पाला बदल चुके हैं उनमें जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी सपा में जा चुके हैं जबकि बसपा का एक और चर्चित मुस्लिम चेहरा दानिश अली कांग्रेस में जा चुके हैं तथा एक और सांसद श्याम सिंह पहले यह भारतीय जनता पार्टी के साथ संपर्क में थे किंतु टिकट पक्का न हो पाने के कारण कांग्रेस में चले गये हैं। बसपा को सबसे बड़ा झटका दिया है उसके एकमात्र ब्राह्मण सांसद रितेश पाण्डेय ने जो अब भारतीय जनता पार्टी के साथ चले गये हैं और इस बात की प्रबल संभावना है कि उन्हें भाजपा से टिकट मिल सकता है।

बसपा सांसद रितेश पाण्डेय उन सांसदों के समूह में भी शामिल थे जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बजट सत्र के दौरान भोज पर बुलाया था। अंबेडकरनगर से बसपा सांसद रितेश पाण्डेय ने पार्टी पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए बसपा से इस्तीफा दिया और उसी दिन कुछ ही क्षणों के बाद भाजपा में शामिल हो गये। रितेश पाण्डेय ने 2019 के लोकसभा चुनावों में योगी सरकार के सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा को हराया था और यह 2017 अंबेडकरनगर लोकसभा सीट के अंतर्गत जलालपुर विधानसभा सीट से विधायक भी बने थे। 2009 से 14 तक इनके पिता राकेश पाण्डेय भी बसपा के सांसद रह चुके हैं और इस परिवार का क्षेत्र में काफी गहरा प्रभाव माना जाता है। रितेश पाण्डेय बसपा के सबसे पढ़े लिखे सांसद थे। उन्होंने 2005 में लंदन के यूरोपियन बिजनेस स्कूल से इंटरनेशनल बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। रितेश ने ब्रितानी युवती कैथरीना से प्रेम विवाह कर अपना घर बसाया है। सांसद बनने के बाद मायावती ने 2020 में लोकसभा में दल का नेता भी बनाया था, इसके बावजूद उनका कहना है कि बसपा में उनकी उपेक्षा की जा रही है जबकि एक बड़ी सत्यता यह भी है कि चूंकि वह बसपा से अंबेडकरनगर के सांसद थे और अपनी व जनमानस की इच्छाओं के अनुरूप अपने क्षेत्र का विकास नहीं कर पा रह थे और आगामी लोकसभा चुनावों में राम लहर के कारण अपनी पराजय भी स्पष्ट रूप से समझ रहे थे क्योंकि जिस प्रकार बहन मायावती ने श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया उसके कारण उनकी बची- खुची लोकप्रियता का किला भी ध्वस्त हो गया। बसपा सांसदों को यह भी पता है कि इस बार उन्हें सपा काडर का वोट नहीं मिलने जा रहा है। लाभार्थी योजनाओं के कारण भारतीय जनता पार्टी ने अब बसपा के असली वोटबैंक जाटव और दलित समाज तथा पसमांदा समाज के वोटबैंक में सेंध लगाने के लिए कमर कस ली है।

बसपा की एक और सांसद संगीता आजाद भी भाजपा नेताओं के साथ संपर्क में बनीं हुई हैं। इसी प्रकार कई अन्य बसपा नेता भी भाजपा के संपर्क में बताये जा रहे हैं। इस बीच यह भी खबर है कि बसपा के मुस्लिम सांसद गुड्डू जमाली सपा के साथ संपर्क में हैं। बसपा के समक्ष उसकी सबसे बड़ी समस्या है कि उसके पास अपने गिरते ग्राफ को सुधारने के लिए कोई होनहार नेता नहीं है। बसपा को उत्तर प्रदेश में वर्ष 2007 में 30 प्रतिशम मत मिले थे जबकि 2022 के विधानसभा चुनावों में मात्र 12 प्रतिशत मत मिल और केवल एक विधायक ही विधानसभा में पहुंच सका।

नपा अध्यक्ष के भाजपा का दामन थामते ही फूटा स्थानीय कार्यकर्ताओं को रोष

■ जिलाध्यक्ष से जताया विरोध

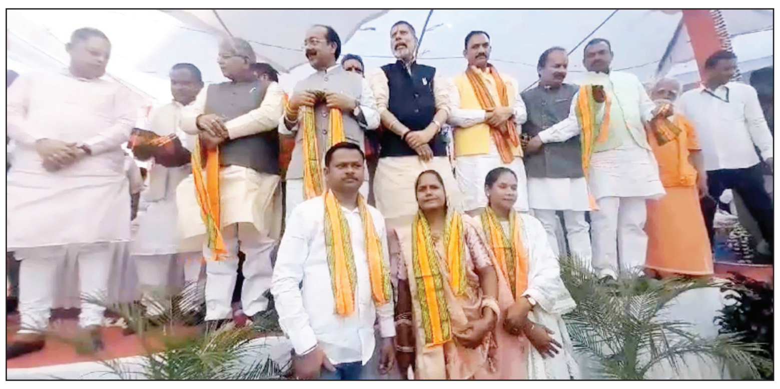

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के स्थानीय बीजेपी के कार्यकर्ता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। दरअसल बीते दिन भाजपा के जिला कार्यालय के उद्धघाटन के दौरान गौरेला नगर पालिका अध्यक्ष गंगोत्री राठौर के साथ उनके पति गोवर्धन राठौर सहित 3 अन्य पार्षदों ने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा। भाजपा में शामिल होते ही भाजपा के सक्रिय स्थानीय कार्यकर्ताओं ने विरोध जताते हुए जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा है। इसे भी पढ़ें = बीजापुर में भाजपा नेता की हत्या को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया 'कायराना', कहा- चुनाव के मद्देनजर भय पैदा करने की जा रही हैं ऐसी घटनाएंज

स्थानीय कार्यकर्ताओं के भावना को व्यक्त करते हुए भाजपा के सह संयोजक प्रदीप जायसवाल ने कहा कि पिछले तीन सालों से कांग्रेस के अध्यक्ष और उनकी कार्यशैली का विरोध करते हुए हम लोग विपक्ष की सक्रिय भूमिका निभा रहे है। ऐसे में अब उनका कांग्रेस छोड़ भाजपा में आना हम लोगों के लिए तकलीफदायक है। हम कैसे जनता के सामने जाएं, इन लोगों ने मरवाही उपचुनाव में कांग्रेस की सत्ता होने के कारण सत्ता सुख लेने के लिए इन्होंने कांग्रेस का हाथ थमा था।

उन्होंने कहा कि पद पर रहते हुए जमकर बहुत सारे विधि विरुद्ध काम कराए गए थे, यही नही गौरेला नगर में लगाई स्ट्रीट लाइट और पोल लगाने में जमकर भ्रष्टाचार किया गया, जिसकी शिकायत नगरीय प्रशासन विभाग से गई थी, जायसवाल का कहा कि इस संबंध में एन्टी करपशन ब्यूरो को भी सूचना भेजी जा चुकी है। इसी कार्यवाही से बचने के लिए फिर से भाजपा में वापस आए हैं। इसका पुरजोर विरोध करते हुए हमने संगठन को ज्ञापन दिया है।

इस संबंध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव से की गई चर्चा में उन्होंने बताया कि गौरेला नगर पालिका अध्यक्ष ने और अन्य लोगों ने री जॉइंनिग की है। इस मामले में जिलाध्यक्ष से जानकारी लेकर बाकी फैसला लेंगे। उनके खिलाफ हुई शिकायत पर कोई कार्रवाई होती है, तो उसके बाद फैसला लेंगे।

कोरबा पहुंचे डिप्टी सीएम साव बोले-

लोकसभा की सभी सीटें जीतेगी भाजपा

कोरबा। प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव कोरबा पहुंचें जहां भाजपाईयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान अरुण साव ने मीडिया से चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा इस बार प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटें जीतेगी।

कोरबा के सर्वमंगला मंदिर में आयोजित सामुहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव कोरबा पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार कोरबा और बस्तर लोकसभा सीट भाजपा नहीं जीत सकी थी,लेकिन इस बार प्रदेश की सभी 11 सींटे भाजपा जीतेगी। कोरबा लोकसभा सीट से जिस तरह से बाहरी प्रत्याशी के रुप में सरोज पांडेय को उतारे जाने की चर्चा चल रही है उसे लेकर अरुण साव ने कहा कि भाजपा का प्रत्याशी कमल फूल है उसे जिताने के लिए भाजपाई हमेशा कटिबद्ध रहेंगे।

लोकसभा चुनाव को लेकर जिस तरह से भाजपा की तरफ से कोरबा की सीट के लिए सरोज पांडेय को उतारे जाने की चर्चा चल रही है,उससे कोरबा के स्थानीय नेताओं में निराशा देखी जा रही है, हालांकि वे कुछ बोल नहीं पा रहे है। कोरबा सीट से कई नेताओं ने चुनाव लड़ने की ईच्छा जताई है,लेकिन पार्टी हाईकमान से जो संकेत मिल रहे हैं उससे उनकी इच्छा पर पानी फिर सकता है।

भारती कॉलेज के छात्रों से शार्ट अटेंडेंस के नाम पर 50 हजार की लूट!

दुर्ग। जिले के बीएड, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों शॉर्ट अटेंडेंस के नाम पर छात्रों को जमकर लूटा जा रहा है। ये मामला दुर्ग के भारती ग्रुप ऑफ कॉलेजस का है। जहां डिप्लोमा ऑफ फार्मेसी की छात्रा को शॉर्ट अटेंडेंस के नाम पर 50 हजार रुपए मांगे जा रहे हैं। वहीं पीड़ित ने इस बात की शिकायत दुर्ग सांसद विजय बघेल से भी की है। छात्रा से पैसा मांगने का एक वीडियो भी सामने आया है, जो अब जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें व्यक्ति 50 हजार मांगते नजर आ रहा है।

बता दें कि भारती कॉलेज के छात्रों को अब शॉर्ट अटेंडेंस के नाम पर मोटी रकम चुकानी पड़ेगी, क्योंकि कॉलेज प्रबंधन ने अब शॉर्ट अटेंडेंस के लिए 50000 की रकम निर्धारित कर दी है। यानी आप साल भर कॉलेज नहीं आएंगे और 50000 जमा करेंगे तो भी आपको भारती कॉलेज में रेगुलर छात्र की डिग्री दी जाएगी।

दरअसल, दुर्ग के पूनम साहू ने अपनी पत्नी कविता साहू का दुर्ग के भारती कॉलेज में एडमिशन कराया था। इसके बाद पत्नी कविता साहू ने डी फार्मेसी की परीक्षा पास कर ली। अब पास करने के बाद जब दोनों मार्कशीट लेने के लिए के लिए पहुंचे तो वहां उन्हें 50000 की डिमांड शॉर्ट अटेंडेंस के नाम पर की गई। प्रबंधन ने कहा कि जब तक पैसे जमा नहीं होंगा, तब तक उन्हें उनका रिजल्ट नहीं दिया जाएगा। अब इस बात से परेशान दंपति कई महीनों से दर-दर भटक रहा है, लेकिन प्रबंधन द्वारा हर बार उससे पल्ला झाड़ लिया जा रहा था। वहीं एक बार फिर जब उन्होंने मार्कशीट लेने की कोशिश की तो स्टाफ प्रभूजोत सिंह भोई ने कहा कि आपकी शॉर्ट अटेंडेंस को फीस बाकी है। उसके बिना मार्कशीट नहीं मिलेगा।

12वीं की छात्रा ने शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र

केन्द्राध्यक्ष और परिवेक्षक पर नकल कराने का लगाया आरोप

मुंगेली। मुंगेली में लोरमी विकास खण्ड के अंतिम छोर में कबीरधाम जिले से सटा हुआ ग्राम रामहेपुर (एन) के शासकीय उ मा. विद्यालय के 12वीं के छात्र ने अनुविभागीय अधिकारी को लिखित शिकायत कर केंद्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उसने अमला के ऊपर हिंदी विषय पर खुले आम नकल कराने का आरोप लगाकर प्रदेश के शिक्षा मंत्री एवं जिला कलेक्टर व जिला शिक्षाधिकारी को प्रतिलिपि भेजा है। हिंदी विषय मे यहां 244 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया है।

ज्ञापन में विद्यार्थी ने -शा.उ.मा. स्कूल राम्हेपुर (ह) पर्यवेक्षक एवं केन्द्राध्यक्ष के द्वारा नक़ल कराने बड़ा आरोप लगाकर एसडीएम को आवेदन देकर लिखा है,की उ.मा.वि.राम्हेपुर (ह) में कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा सुचारू रूप से तय हुआ था जिस पर छात्रा कक्ष क्रमांक 05 में बैठी थी आज विषय हिंदी का पेपर दिलाने गयी थी, जिस पर पर्यवेक्षक एवं केन्द्राध्यक्ष के द्वारा पर्सनली रूप से नक़ल कराने का आरोप लगाया गया है। इस कारण स्कुल में शोर व हल्ला के कारण मैं मानसिक रूप से विचलित हो गयी जिस कारण मैं अपनी परीक्षा में पेपर सही रूप से नहीं बना पायी। छात्रा ने एसडीएम को निवेदन करते हुये उन पर्यवेक्षक एवं केन्द्राध्यक्ष के ऊपर उचित रूप से कार्यवाही करते हुए। उसको हिंदी की विषय पर किसी भी सक्षम अधिकारी के सामने परीक्षा दिलाने की अनुमति मांगी है।

गौरतलब है कि ग्राम रामहेपुर एन के सरकारी स्कूल में यह पहली दफा नहीं है जो नकल का मामला प्रकाश में आया है, यह स्कूल पहले से ही बदनाम सुदा है। छात्रा की शिकायत से क्षेत्र में जहां हड़कंप मचा हुआ है वहीं दूसरी तरफ विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

शिक्षा के मंदिर में शर्मनाक हरकत मुर्गा पार्टी कर रहा था चौकीदार

■ ग्रामीणों ने की शिकायत

पेंड्रा। पेण्ड्रा के बचरवार गांव के ग्रामीणों ने उस समय जोरदार हंगामा मचा दिया। जब उन्हें जानकारी मिली कि गांव के मुख्यमार्ग स्थित हाई स्कूल परिसर में क्लास रूम के अंदर स्कूल का चौकीदार और कुछ ग्रामीण शराबखोरी और मुर्गा पार्टी कर रहे थे।

देखते ही देखते मौके पर काफी संख्या में लोग जुट गए। जिसके बाद शराबखोरी करने वाले लोगों की बाइक को भी स्कूल के अंदर कर ग्रामीणों ने अपने पास रख लिए और अब दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे है।

स्कूलों में शराबखोरी और मुर्गा पार्टी करने के मामले रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। पहले बिलासपुर में जहां एक शिक्षक स्कूल में शराब पीते नजर आया तो अब जीपीएम के बचरवार गांव के शासकीय हाई स्कूल के ही चौकीदार और उसके तीन दोस्त रत्तु साहू स्वीपर जो स्कूल में पदस्थ है। उसका दोस्त जितेंद्र गुप्ता उर्फ फेक्कू गुप्ता और जितेंद्र के दो कर्मचारी रात में स्कूल के अंदर कमरे में शराबखोरी और मुर्गा पार्टी कर रहे थे।

मामले की जानकारी मिलने पर ग्रामीण काफी संख्या में स्कूल पहुंचे जहां पर स्कूल के अंदर कमरे में इन्हें शराबखोरी करते हुए देख जमकर नाराजगी जाहिर किया और स्कूल परिसर में ही हंगामा किया। ग्रामीणों ने स्कूल की व्यवस्था और स्कूल परिसर में मंदिर होने के बाद भी स्कूल में पदस्थ चौकीदार के द्वारा स्कूल परिसर में शराब खोरी किये जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की और पुलिस को सूचना दी।

हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही शराबखोरी करने वाले चारों युवक भीड़ को चकमा देकर भाग खड़े हुए। वहीं सभी की तीन मोटरसाइकिल जो उन्होंने स्कूल के अंदर कमरे में रखा हुआ था। जिसके बाद ग्रामीणों के द्वारा मामले की जानकारी पुलिस प्रशासन के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दे दी है।

प्रधानपाठक स्कूल ड्यूटी के दौरान नशे में टुन्न रहे

पेण्ड्रा-मरवाही। भगवान के बाद दूसरा बड़ा दर्जा गुरुजी को मिलता है। ऐसे में जरा सोचिए, उन बच्चों का भविष्य क्या होगा, जिनके गुरुजी ही पढ़ाई के दौरान पास के ही घर में शराब पीते नजर आ रहे हैं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

हम बात कर रहे हैं मरवाही ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला नाका में पदस्थ प्रधानपाठक जलेश्वर प्रसाद साव का, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान स्कूल छोड़कर पास के घर में शराब पीकर नशे में टून होकर अश्लील शब्दों का प्रयोग करते नजर आ रहे हैं। उनका वीडियो भी वायरल हो रहा है। स्कूल में एक जिम्मेदार प्रधानपाठक जब खुद शराब पीकर टुन्न मिल रहे हैं तो सोच सकते हैं कि स्कूल की शिक्षा व्यवस्था कैसी होगी, बच्चों के भविष्य का क्या होगा।

मिली जानकारी के अनुसार, शैक्षिक समन्वयक ध्यान सिंह वाकरे मध्यान्ह भोजन की मासिक जानकारी लेने के लिए संकुल केंद्र नाका गए थे। यहां प्रधानपाठक जलेश्वर प्रसाद साहू स्कूल में अनुपस्थित रहे। रसोइया से पूछने पर पता चला कि गांव के ही मोहल्ले के घर में प्रधानपाठक गए हैं। वहां जाने पर प्रधानपाठक जलेश्वर शराब पीते नजर आया। उन्हें समझाइश दी गई कि ड्यूटी टाइम में इस तरह का कृत्य उचित नहीं है। यह शासकीय गरिमा के विपरीत है, लेकिन प्रधान पाठक नहीं माने। इस पूरे मामले में विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिलीप कुमार पटेल ने कहा कि जांच कर शासन के नियमाअनुसार कार्यवाही की जाएगी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

युवक को हाथी ने रौंदा सवालों के घेरे में वन अमला

सरगुजा। जिले में लुंड्रा वन परिक्षेत्र में वन विभाग की लापरवाही सामने आई है। जहां दंतैल हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं लोगों में काफी गुस्सा भी देखने को मिल रहा है। बता दें कि पूरा मामला लुंड्रा वन परिक्षेत्र के झेराडीह का है। जहां पिता-पुत्र गेंहू के खेत में सिंचाई कर वापस आ रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ है। वहीं घटना की सूचना पर वनकर्मी और पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पुलिस टीम की मौजूदगी में ग्रामीणों की मदद से शव को उसके घर लाया गया। जानकारी के अनुसार, घटना के बाद वन विभाग मुआवजे देने की बात कह रहा है। घटना के बाद लोग सवाल खड़ा कर रहे हैं कि आए दिन हो रहे हादसों के बाद भी वन विभाग इस पर रोक लगाने के लिए क्या कर रहा है।

ट्रैक्टर से टकराई बस बाल-बाल बचे 29 यात्री

जगदलपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर एक बार फिर एक यात्री बस रफ्तार के साथ ही समय से पहले पहुंचने की होड़ में ट्रैक्टर से टकरा गई। बस सड़क किनारे गड्ढे में जा घुसी। इस घटना में जहां ड्राइवर समेत तीन यात्रियों को चोट आई, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए कांकेर के हॉस्पिटल में भेजा गया। वहीं बस में सवार अन्य यात्रियों को निकाल कर दूसरे बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया। यह घटना केशकाल थाना क्षेत्र के ग्राम खालेमुरवेंड के पास हुई है। घटना की जानकारी देते हुए केशकाल थाना प्रभारी ने बताया कि देर रात जगदलपुर से एक यात्री बस 29 सवारियों को लेकर रायपुर के लिए निकली थी। रात करीब दो बजे के लगभग जैसे ही बस केशकाल थाना क्षेत्र के ग्राम खालेमुरवेंड के पास पहुंची तो सामने से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक चालक को बचाने के साथ ही ओवरटेक कर रही एक ट्रैक्टर से जा टकराई। इस हादसे के बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा घुसी। बस में सवार तीन यात्रियों के अलावा बस के चालक को भी चोट आई।

रिश्वत मामले में टीआई और एएसआई पर गिरी गाज

कोरबा। कुछ दिन पहले आरक्षक नंदलाल सारथी को 50 हजार की मांग किये जाने के मामले में एसपी ने निलंबित कर दिया था। वहीं कटघोरा थाना प्रभारी निरीक्षक तेज यादव और एएसआई कुंवर साय पैकरा को भी निलंबित कर दिया गया है। थाना प्रभारी और एएसआई इनके विरुद्ध शिकायत मिली थी कि उन्होंने 24 घंटे से अधिक समय तक एक व्यक्ति को थाना में बिठाया रखा गया था। बिना एफआईआर के बैठाना कानूनन अपराध है। एसपी से शिकायत के बाद जांच की गई। जहां जांच सही पाए जाने पर दोनों को निलंबित कर दिया गया। एसपी की इस कार्रवाई से जिले में हड़कंप मचा हुआ है।

सायबर क्राईम पर बस्तर पुलिस कसेगी नकेल

जगदलपुर। सायबर अपराधों के लगातार बढ़ रहे मामलों पर नकेल कसने के लिए शहर के शौर्य भवन में आज पुलिस ऑडिटोरियम में उप संचालक अभियोजन आर.के। मिश्रा, डीएसपी दिलीप कोसले के द्वारा 1 दिवसीय जिला स्तरीय क्षमता विस्तार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में साइबर फॉरेंसिक, धारा 41 दप्रस में पुलिस अधिकारीयों को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के दिशनिर्देश और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम से सम्बंधित दिशानिर्देश विषय पर चर्चा की और उनका मार्गदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारीयों को बताया गया कि वर्तमान में विवेचक को अपराधी से एक कदम आगे होकर कार्यवाही करनी होगी। इसके तहत साइबर क्राइम और अन्य अपराधों की विवेचना के लिए साइबर फोरेंसिक के महत्व को इंगित किया। इसके अलावा 7 वर्ष से कम के दंडनीय अपराधों में अर्नेश कुमार दिशानिर्देश पर विस्तार से चर्चा हुई।

चाचा ने भतीजे और भतीजी पर किया जानलेवा हमला

जगदलपुर। सुकमा जिले के एर्राबोर थाना क्षेत्र के ग्राम मेंटटागुड़ा में शुक्रवार की रात को एक चाचा ने अपने ही भतीजे और भतीजी पर जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना में दोनों बच्चों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी बलराम बघेल ने बताया कि शुक्रवार की रात करीब छह से सात बजे के बीच कवासी अनिता 16 वर्ष और कोर्राम रमेश नौ वर्ष अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित अपने खेत को देखने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान शाम होने और अंधेरे के डर से दोनों बच्चे पेड़ के नीचे ही बैठ गए और किसी के आने का इंतजार कर रहे थे। उसी दौरान उसका चाचा दरमु लच्छा अपने हाथ में ताड़ी निकालने वाले धारदार हथियार से अनिता के हाथ और सिर पर हमला कर दिया। वहीं भतीजे कोर्राम रमेश के हाथ, कंधे, कोहनी, पीठ, सिर के अलावा गले के पीछे हमला कर दिया। कुछ लोगों ने बच्चों को बचाने के साथ ही उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया।

चुनावी मोड में भाजपा, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को किया रिचार्ज

■ नेताओं ने विधानसभा चुनाव में हुई चूक को ना दोहराने की दी नसीहत

गरियाबंद। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा से हुई हार के बाद लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा कोई चूक नहीं करना चाहती। इसी कड़ी में 1 मार्च को देवभोग में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा स्तरीय केन्द्रीय कार्यालय का उद्घाटन कर मंडल और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को बड़े नेताओं ने रिचार्ज किया।

लोकसभा सह संयोजक संतोष उपाध्याय, गरियाबंद के संगठन जिला प्रभारी महेन्द्र पंडित ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ हर तबके के लोगों को मिला है। पीएम मोदी के चलते ही भारत की ख्याति दूर दूर तक फैली है। मोदी की गारंटी भी पूरी हुई है। इन्हीं बातो को लेकर सीधे हितग्राही से मिलकर उन्हें भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील करना है। हर बूथ के प्रभारी अपने बूथों में यह अभियान चलाएगा। बड़े नेताओं ने विधानसभा में हुई चूक और गलती की पुनरावृत्ति नहीं करने की हिदयात भी दे डाली। लाभार्थी सम्पर्क अभियान को सफल करने के लिए मण्डल स्तर के 250 चयनित सक्रीय कार्यकर्ताओं को इसका जिम्मा सौंपा जाएगा और उन्हें प्रशिक्षण देकर अभियान को सफल करने लाभार्थियों से सम्पर्क करने गांव के बुथ तक भेजा जाएगा। अभियान के लिए नेहा सिंघल को मंडल संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। इस अभियान के तहत कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क कर स्टिगर पांप्लेट बाटकर, 51 प्रतिशत लक्ष्य को कैसे पूरा किया जाना है उसे बताया जाएगा। महासमुंद लोकसभा सीट पर आजादी के बाद से छह बार कांग्रेस का कब्जा रहा है। वहीं पिछले तीन पंचवर्षीय कार्यकाल में भाजपा का कब्जा रहा है। वर्तमान में भाजपा के चुन्नीलाल साहू सांसद हैं। पहले की तुलना में इस बार दिग्गज दावेदारों की लंबी सूची है। सामाजिक समीकरण में फिट बैठने वाले 4 बड़े दिग्गजों की दावेदारी है तो बिंद्रा नवागढ़ से भी पहली बार दो महिला नेत्रियों का नाम दिल्ली तक पहुंच चुका है। भाजपा ने टिकट बंटवारे में महिला वंदन किया तो जनपद अध्यक्ष नेहा सिंघल, विभा अवस्थी, श्वेता शर्मा के नाम पर भी विचार कर सकती है।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ सड़क में उतरी कांग्रेस, भाजपा पर बोला हमला

बालोद। बालोद जिले में आज कांग्रेस ने देशभर में बढ़ती मंहगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया, महंगाई के खिलाफ झंडे लेकर कांग्रेसी शहर में प्रदर्शन करते नजर आए बालोद शहर के घड़ी चौक में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की विफलताओं एवं गलत नीतियों के कारण देश में बढ़ती महंगाई जैसे खाद्य पदार्थ, सब्जी,पेट्रोल,डीजल, एलपीजी,सीएनजी पीएनजी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है जिसके खिलाफ आज घड़ी चौक में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता चंद्रेश हिरवानी ने कहा कि देश में तेजी से महंगाई बढ़ रही है और जरूरी चीजों के दाम दोगुना हो गये हैं। एक आम भारतीय के लिए अपने घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उसे अपने रोजाना के खर्च के लिए बहुत जद्दोजहद करनी पड़ रही है।

आज कांग्रेस द्वारा किए गए प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल यादव , पुरुषोत्तम पटेल , राम जी भाई पटेल, प्रेमचंद क्षीरसाग जनपद सदस्य राकेश उईके, श्रवण श्रीवास्तव, विनोद बंटी शर्मा , महामंत्री शंभू साहू, एनु राम साहू ,धर्मेंद्र रामटेके , रोहित सागर, युवा कांग्रेस से शहर अध्यक्ष साजन पटेल, अंचल प्रकाश साहू ब्लॉक युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मोहनिश पारकर, आदित्य दुबे मौजूद रहे।

प्रदेश में भाजपा उम्मीदवार घोषित करने से अंतर्कलह से जूझती कांग्रेस के लिए कड़ी चुनौती: किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ के सभी 11 संसदीय क्षेत्रों के लिए पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा का उल्लसित हृदय से स्वागत किया, कहा - प्रदेश की सभी सीटों पर जनता के आशीर्वाद से भाजपा की विजय सुनिश्चित

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए छत्तीसगढ़ के सभी 11 संसदीय क्षेत्रों के लिए पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा का उल्लसित हृदय से स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि जनता के आशीर्वाद से प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा की विजय सुनिश्चित हो गई है। श्री देव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल व सक्षम नेतृत्व में पार्टी का विजय अभियान सतत जारी रहेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने रायगढ़ से राधेश्याम राठिया, जांजगीर-चाँपा से कमलेश जांगड़े, कोरबा से भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडे, सरगुजा से चिंतामणि महाराज, बिलासपुर से तोखन साहू, राजनांदगांव से संतोष पांडे, दुर्ग से विजय बघेल, रायपुर से बृजमोहन अग्रवाल, महासमुंद से भाजपा जिला अध्यक्ष व पूर्व संसदीय सचिव रूपकुमारी चौधरी, बस्तर से महेश कश्यप और काँकेर से भोजराज नाग को उम्मीदवार घोषित कर एक बार फिर अंतर्कलह, हताशा और पराजित मनोबल से जूझती कांग्रेस के लिए कड़ी चुनौती पेश की है। पार्टी प्रत्याशियों की समय पूर्व घोषणा के लिए केंद्रीय नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए श्री देव ने कहा कि इससे पार्टी को चुनावी तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिला है। श्री देव ने केंद्रीय नेतृत्व को विश्वास दिलाया कि पिछले विधानसभा चुनाव में अपने अथक परिश्रम से भाजपा की ऐतिहासिक जीत की पटकथा लिखने वाले प्रदेश के पुरुषार्थी भाजपा कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में भी अपने पराक्रमी कार्य-कौशल का परिचय देते हुए जनता का आशीर्वाद केते हुए भाजपा को सभी 11 लोकसभा सीटों पर विजयी बनाकर सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को लाभ दिलाएं: सोनी

रायपुर। सांसद सुनील सोनी के अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। बैठक में सांसद श्री सोनी ने संबोधित करते हुए कहा कि गर्मी के दिनों जल आपूर्ति सुचारु रूप हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न भागों में नए तालाबों का निर्माण किया जाए और पुराने तालाबों को भी संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि मनरेगा में कार्यदिवस को ज्यादा से ज्यादा सृजित किया जाए। सोनी ने कहा कि दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत् कौशल उन्नयन के कार्य किए जाए इससे आजीविका के अवसरों में बढोत्तरी होगी। साथ ही यह प्रयास किया जाए कि शहर के आस पास के गांव में ग्रामीणों को वहीं काम दिया जाए ताकि पलायन कम से कम हों। शहरी और ग्रामीण गरीबी को कम करने के लिए उनको ज्यादा कार्य उपलब्ध काराई जाए। श्री सोनी ने जिले के सभी अधिकारियों को योजनाओं के तहत मंजूर किए गए कामों की सतत मॉनिटरिंग-समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजनों की सहुलियत के लिए स्वीकृत किए गए विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए लगातार समीक्षा की जानी चाहिए। सोनी ने कहा की प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाएं। जिन हितग्राहियों को प्रथम किस्त दी जा चुकी है उन्हें जल्द दूसरी किस्त दिला कर आवास को पूर्ण कराएं। श्री सोनी ने इस योजना का लाभ दिलाने के नाम पर ठगी करने

संक्षिप्त समाचार

महतारी वंदन योजना: 11 हजार 771 फॉर्म रद्द, फाइनल लिस्ट जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेश के 70 लाख 14 हजार 581 महिलाओं को मिलेगा। महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए कुल 70 लाख 26 हजार 352 महिलाओं ने आवेदन किए थे, लेकिन गलत जानकारी या गलत दस्तावेज की वजह से 11 हजार 771 आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए हैं। महतारी वंदन योजना की पात्र महिलाओं की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। महतारी वंदन योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र न होने पर भी आवेदन किया गया है। इसके साथ ही जिन युवतियों की शादी नहीं हुई है उन्होंने भी आवेदन भरा है। युवतियां तो युवतियां पुरुष भी इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया है। हालांकि दस्तावेजों की जांच होने के बाद फॉर्म को रिजेक्ट किया गया।

बीस खण्डों वाली गिरीश पंकज रचनावली का आज होगा लोकार्पण

रायपुर। ज्ञानमुद्रा पब्लिकेशन भोपाल एवं सामाजिक संस्था वक्ता मंच के तत्वावधान में देश के प्रख्यात साहित्यकार रायपुर निवासी गिरीश पंकज की बीस खण्डों में प्रकाशित समग्र रचनावली का लोकार्पण समारोह रविवार 3 मार्च को प्रात: 11 बजे वृंदावन सभागृह में आयोजित है। उल्लेखनीय यह है कि संपूर्ण देश में हिंदी साहित्य जगत में किसी भी जीवित लेखक की अब तक बीस खण्डों की रचनावली अब तक प्रकाशित नहीं हुई है। 8500 पृष्ठों वाली इस रचनावली में गिरीश पंकज की अब तक की संपूर्ण साहित्यिक यात्रा का समावेश है। इसमें उनके व्यंग्य,गीत-गजल, लघुकथा, कहानी, उपन्यास , बाल साहित्य ,नाटक एवम समसामयिक लेखों का संग्रह है। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने जानकारी दी है कि लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि संभाग आयुक्त डॉ संजय अलंग होंगे। अध्यक्षता डॉ सुशील त्रिवेदी एवं डॉ चितरंजन कर संयुक्त रूप से करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ कुमार प्रजापति, राउरकेला, राजेश पारेख, नागपुर, डॉ रमेंद्रनाथ मिश्र, शशि वरवंडकर, राजीव अग्रवाल, जी. स्वामी,नर्मदा प्रसाद मिश्र नरम उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम परिचय प्रियंका कौशल द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा एवं संचालन उर्मिला देवी उर्मि करेगी। दो सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम में अपरान्ह 2 बजे से रचना पाठ एवं काव्य गोष्ठी रखी गई है। इसमें राजधानी व आसपास के रचनाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस सत्र के मुख्य अतिथि भारती बंधु होंगे एवं अध्यक्षता डॉ स्नेहलता पाठक व डॉ सुधीर शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से की जायेगी। राजकुमार धर द्विवेदी एवं आशीष राज सिंघानिया इस सत्र के विशिष्ट अतिथि होंगे। आयोजक संस्थाओं द्वारा समस्त प्रबुद्धजनों से कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निवेदन किया गया है।

सीएम विष्णुदेव साय ने की बड़ी घोषणा 12 मार्च को मिलगा धान का बोनस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसानों के हित में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़ी घोषणा की है। 12 मार्च को किसानों को धान की अंतर राशि (बोनस) लगभग 13 हजार करोड़ रुपये प्रदान की जाएगी। सीएम विष्णुदेव साय जशपुर जिले के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने यह घोषणा की है। इस दौरान सीएम साय ने पत्थलगांव में लिंक कोर्ट प्रारंभ करने की घोषणा की है। गिरी गोवर्धन पर्वत के सुगम सीसी मार्ग निर्माण के लिए 32 लाख रुपये, फरसाबहार में संस्कृतिक मंडप के लिए 10 लाख, शिवमन्दिर से कासाटोली के लिए 12 लाख रुपये की घोषणा की गई है। सीएम साय जशपुर जिले के तामामुंडा-फरसाबहार हेलीपैड पहुंचे। यहां विधायक गोमती साय, कौशल्या देवी साय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान सीएम साय ने फरसाबहार विकास खंड के अंतर्गत ग्राम तामामुंडा में स्थित गिरी गोवर्धन धाम में निर्मित सार्वजनिक सांस्कृतिक मंडप सहित अखिल भारतीय महाकुल (यादव) समाज के कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। परिसर में रुद्राक्ष के पौधे का भी रोपण किया।

भाजपा संयुक्त मोर्चा की बैठक 4 को

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की संयुक्त मोर्चा की बैठक 4 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में सुबह 11 बजे आयोजित की गई है। बैठक में समस्त मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रभारी, राष्ट्रीय पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं जिला अध्यक्ष आमंत्रित हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सभी मोर्चों के प्रभारी भरतलाल वर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा सभी मोर्चों की संयुक्त बैठक आयोजित कर रही है। बैठक में सभी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश के पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस दौरान समस्त मोर्चों को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ दी जाएंगीं, साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं को एवं राज्य सरकार की मोदी की गारंटी से लोगों को अवगत कराएंगे और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे लाभार्थियों से मिलकर चर्चा भी करेंगे।

बीजापुर में भाजपा नेता की हत्या पर मुख्यमंत्री ने नक्सलियों को दी चेतावनी

नक्सलियों मंसूबे नहीं होंगे कामयाब : विष्णुदेव साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने भाजपा नेता की हत्या कर दी है। ऐसा विधानसभा चुनाव से पहले भी देखने को मिला था। अब लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नक्सलियों ने घटना की अंजाम दिया है। बीजेपी नेता की हत्या पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नक्सलियों को चेतावनी देते हुए कहा कि नक्सलियों से हमारी लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है। उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने दिया जाएगा।

सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट लिखा कि नक्सलियों की कायराना हरकत से बीजापुर के भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक और जनपद सदस्य तिरुपति कटला के निधन का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं।

एक मार्च की रात को हुई थी घटना

भाजपा के वरिष्ठ नेता, जनपद सदस्य व सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक रहे तिरुपति कटला की नक्सलियों ने धारदार हथियार से वार कर निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी। खबर के मुताबिक, तिरुपति कटला शुक्रवार की शाम शादी समारोह में शामिल होने बीजापुर से 25 किलो मीटर दूर तोयनार गये हुए थे। कटला शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। इसी बीच नक्सलियों ने उन पर धारदार हथियार गर्दन व छाती पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। नक्सली हमले से गंभीर रूप से घायल हुए तिरुपति को जिला अस्पताल लाया गया। जहां उनकी मौत हो गई। कटला की मौत खबर से जहां परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो रहा है। वहीं खबर सुनते ही उनके रिश्तेदार, राजनैतिक दल के व नागररिक अस्पताल पहुंचने लगे हैं।

भाजपा नेता की हत्या को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया 'कायराना'

रायपुर। बीजापुर में बीजेपी नेता तिरुपति कटला की हत्या को उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों की कायराना करतूत करार दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के मद्देनजर भाजपा के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है, जिससे वे बस्तर में अंदर तक जाकर प्रचार न कर सकें।

उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने भाजपा नेता कटला की हत्या पर मीडिया से चर्चा में कहा कि बीजापुर से पहले भी बीजेपी के लोगों को टारगेट किया गया है। सामने चुनाव है, नक्सलियों के खिलाफ कार्यवाहियां बढ़ी हैं। ऐसे में भय उत्पन्न करने के लिए नक्सली ऐसा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता बस्तर में अंदर तक प्रचार के लिए न जा सके, इसलिए ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो गलत है, ऐसा नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चाहे जो भी हो जाये विष्णदेव सरकार है। बस्तर के कोने-कोने तक विकास की गंगा पहुंचे, इस बात की हमारी प्रतिबद्धता है। कोई भी ऐसे अवरोध आएंगे, उसे दूर किया जाएगा।

बता दें कि जनपद सदस्य और सहकारिता प्रकोष्ठ समिति के संयोजक तिरुपति कटला शादी समारोह में शामिल होने बीती रात तोयनार गांव गए हुए थे। समारोह से निकलते वक्त नक्सलियों ने कटला पर नक्सलियों ने प्राणघातक हमला कर दिया, जिसमें वे गभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही मौत हो गई।

भाजपा नेता की हत्या पर पीसीसी चीफ का सरकार पर हमला

मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को देना चाहिए इस्तीफा : बैज

रायपुर। बस्तर में भाजपा नेता की हत्या पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से, मुख्यमंत्री से, गृहमंत्री से पूरे प्रदेश अध्यक्ष सभी लोगों से कहता हूं, बस्तर में यह लोग राजनीति करते थे। कहा करते थे, टारगेट किलिंग है। उनके कार्यकर्ता सुरक्षित नहीं हैं तो कौन सा किलिंग है। यह टारगेट किलिंग है या सुपारी किलिंग है।

आगे दीपक बैज ने कहा, मैं भारतीय जनता पार्टी से पूछना चाहता हूं, यह टारगेट किलिंग किया तो किसने किया। भारतीय जनता पार्टी अपनी राजनीति रोटी सेंकने के लिए और सत्ता हासिल करने के लिए इस तरीके की नौटंकी करते रही। सरकार में बैठने के बाद भी अपने कार्यकर्ताओं को सुरक्षित नहीं कर पा रही है। मतलब समझ जाइए, साय सरकार पूरी तरीके से असहाय हो चुकी है। सीएम और गृहमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

दीपक बैज ने आगे कहा, कांग्रेस शुरू से कह रही है, छत्तीसगढ़ सरकार के लगभग 3 महीने पूरे हो जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन चुका है। लूट, हत्या, डकैती और अपहरण लगातार बढ़ रहे हैं। बस्तर अशांत हो चुका है। सरकार के नियंत्रण में कुछ भी चीज नहीं है। सभी अनियंत्रित हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ पूरी तरीके से अपराधगढ़ बन चुका है। इसलिए मुख्यमंत्री को गृहमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

पत्थलगांव में जल्द शुरू होंगे अतिरिक्त कलेक्टर और एडिशनल एसपी कार्यालय: साय

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज फरसाबहार विकासखंड के तामामुंडा में एक जनसभा के बाद कहा कि पत्थलगांव जिले का सबसे दूरस्थ और दूसरा बड़ा शहर है। यहां शासकीय कार्यों की सुविधा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के कार्यालय की शुरुआत की जाएगी। सीएम साय ने कहा की छत्तीसगढ़ में अब डबल इंजन की सरकार बन गई है,इसलिए नक्सली उन्मूलन के कामकाज में भी तेजी आ गई है, इसी से बौखलाकर नक्सली भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले बढ़ा रहे है। नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु सरकार ने बस्तर के दूरस्थ अंचल में 14 नए सुरक्षा कैंप खोले हैं तथा समस्या से निजात पाने के लिए (नियद नेलानार) योजना प्रारंभ की गई है। सीएम साय ने बताया कि नियद नेलानार जो की मुड़ी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है आपका अच्छा गांव उक्त योजना बस्तर के 6 संवेदनशील जिलों में शुरू की गई है जिसके अंतर्गत समस्त शासकीय योजनाओं का लाभ उन ग्रामवासियों को सुनिश्चित किया जाएगा बिजली पानी सिलेंडर आदि सुविधाएं उन तक सुचारू रूप से पहुंचती रहे ये प्रयास किया जायेगा जिससे वहां विकास को गति मिलेगी।

प्रकोष्ठ सम्मेलन के जरिए जनता को साधेगी भाजपा

■ मिशन 2024: 1500 से ज्यादा प्रतिनिधि होंगे शामिल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के समस्त प्रकोष्ठों का एक दिवसीय सम्मेलन आगामी 3 मार्च को सुबह 10।30 बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और समस्त प्रकोष्ठों के संयोजक रामजी भारती ने शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल सहित समस्त 17 प्रकोष्ठों के संयोजक, अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री रामजी भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में तेजी विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2047 तक देश को विकसित भारत का संकल्प किया है। इसके लिए देशभर से 1 करोड़ से ज्यादा सुझाव लिए जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा है कि भाजपा की सरकार गरीबों के कल्याण के लिए संकल्पित सरकार है। केंद्र की मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है और देश की जनता इनका लाभ भी ले रही है।

भारती ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा जोरशोर से तैयारियों में जुट गई है। चुनाव प्रबंधन समिति, क्लस्टर प्रभारियों की नियुक्ति कर दी गई है। अबकी बार 400 पार का संकल्प लेकर भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता पीएम मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में समस्त प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव के लिए जिम्मेदारियां सौंपी जाएगी। इस बैठक में प्रकोष्ठों के दायित्व और कार्य का विभाजन होगा जिसके अंतर्गत केंद्र की योजनाओं को लेकर जनता और लाभार्थियों से मिलना है। हर बूथ के 10 घरों में झंडा लगाना है, बूथ में 10 दीवार लेखन करना है। जगह-जगह चौपाल लगाकर केंद्र की योजनाओं से जनता से चर्चा करनी है। यह अभियान 3 मार्च से शुरू होकर यह आगामी लोकसभा चुनाव तक जारी रहेगा।

भारती ने कहा कि इसके लिए सभी प्रकोष्ठों को पार्टी द्वारा जिम्मेदारियां दी गई है। विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अधिवक्ता, विधि और कानून से जुड़े लोगों से मिलेंगे और भाजपा की रीति नीति और विचारधारा के बारे में बताएंगे। उसी तरह आर्थिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आर्थिक क्षेत्र के लोगों से और एन।जी।ओ। प्रकोष्ठ स्वयंसेवी संगठन के लोगों से मिलेंगे। चिकित्सा प्रकोष्ठ चिकित्सा और चिकित्सकीय पेशे के लोगों से मिलकर उनसे चर्चा करेंगे। मछुआरा प्रकोष्ठ, शिक्षा प्रकोष्ठ शिक्षा से जुड़े सभी सरकारी गैर सरकारी शिक्षण संस्थान के लोगों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ेंगे। भारती ने कहा कि इनके माध्यम से भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का अभियान प्रारंभ कर रही है।

लोकसभा उम्मीदवारों को लेकर दीपक बैज का भाजपा पर तंज

कहा- बृजमोहन और अमर अग्रवाल को मार्गदर्शक मंडल में ना भेज दें

रायपुर। लोकसभा चुनाव के टिकट को लेकर बैज ने कहा कि हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी अपने सांसदों पर भरोसा नहीं कर रही है। पिछले समय पूरे टिकट बदले। इस समय भी पूरी टिकट चेंज करेंगे। उनको पता है कि छत्तीसगढ़ और पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ माहौल है। इसलिए एंटी इंकम्बेंसी है। बृजमोहन अग्रवाल और अमर अग्रवाल को मार्गदर्शक मंडल में ना भेज दें।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को पीसीसी चीफ दीपक बैज के नेतृत्व में शास्त्री मार्केट में सब्जी खरीद कर महंगाई का विरोध किया। प्रदेशभर के जिला मुख्यालय में कांग्रेस पार्टी महंगाई के खिलाफ आज प्रदर्शन कर रही है। सब्जी खरीदकर कांग्रेस ने महंगाई का विरोध किया। किराना दुकानों में भी रोजमर्रा की वस्तुएं खरीदकर नेता और कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं।

दीपक बैज ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि महंगाई ने आम जनता, गरीब जनता, मध्यम परिवार, कर्मचारी की कमर तोड़ दी है। केंद्र में बैठी हुई मोदी सरकार लगातार 10 साल से शासन करने के बाद भी आज तक महंगाई रोकने में असफल हो चुकी है। भाजपा ने सत्ता हासिल करने के लिए महंगाई के नाम से चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा था कि सरकार में आएंगे तो 100 दिन में महंगाई कम करेंगे। लेकिन आज सत्ता में आने के 10 साल बाद में महंगाई कम नहीं हुई है। बल्कि चार गुना बढ़ गई है। मोदी सरकार महंगाई का म बोलने को तैयार नहीं है। चर्चा करने को तैयार नहीं है। गरीब जनता के बीच में अच्छे दिन का सपना दिखाकर महंगाई को बढ़ा दिया। इसलिए आज हम लोग छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी पूरे प्रदेश में मुख्यालय में प्रदर्शन कर रहे हैं।

महतारी वंदन योजना के आंकड़े फर्जी- बैज

महतारी वंदन योजना के आंकड़े जारी होने को लेकर बैज ने कहा कि ये भारतीय जनता पार्टी का झूठा आंकड़ा है। अब तक लगभग 25 लाख फॉर्म ही स्वीकृत हुए हैं। 50 लाख से ज्यादा फॉर्म इन्होंने रिजेक्ट कर दिया है। सरकार सच्चाई छुपाना चाह रही है। माता बहनों के साथ इन्होंने धोखा किया है। चुनाव के समय में हम हर विवाहित महिलाओं को हम 12000 देंगे कहा था। इसमें एपीएल बीपीएल कुछ नहीं है। चाहे मुख्यमंत्री का परिवार ही क्यों न हो उनको भी मिलेगा ऐसा कहा था। लेकिन आज मुख्यमंत्री के परिवार को नहीं मिल रहा है। सत्ता में आने के बाद क्राइटेरिया बांट दिया और छत्तीसगढ़ की माता बहनों को जितना लाभ मिलना चाहिए था वह नहीं मिला। बैज ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की माता-बहनों को ठगने का काम सरकार ने किया है। झूठ बोला है। महतारी वंदन का लाभ सभी बहनों को ना मिले, हितग्राहियों की संख्या कम से कम हो सरकार यही चाह रही है। इसलिए महतारी वंदन के नाम से पूरे प्रदेश में ठगने का काम किया जा रहा है। जिस तरीके से आंकड़े जारी हुए हैं ये सब फर्जी हैं।

निविदा आमंत्रण सूचना

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

निविदा कमांक 3 दिनांक 29.02.24

खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामु. स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगांव जिला राजनांदगांव की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 (01.04.2024 से 31.03.25 तक) में अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिये शासन के अधिकतम निर्धारित दर रु. 150.00 भर्ती सामान्य प्रति मरीज प्रतिदिन की दर एवं जे.एस.एस.के. प्रकरण के हितग्राहियों में रू. 100.00 एवं 150.00 सहित कुल 250.00 प्रतिदिन प्रति मरीज को भोजन एवं स्वल्पाहार आपूर्ति करने लिये महिला स्व-सहायता समूहों / स्थानीय अलाभकारी संस्था एवं स्थानीय फर्म भोजनालय से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित किया जाता है।

उक्त आवेदन हेतु 100.00 कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी डोंगरगांव में जमा कर निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्ते भोजन मेन्यु संबंधी निर्देश प्राप्त किया जा सकता है।

कुल व्यय	-अनुमानित 10 लाख वार्षिक
निविदा प्रपत्र बिक्री की अतिम तिथि	-दिनांक प्रकाशन दिवस से 20वां दिन शाम 5.00 बजे तक।
निविदा आवेदन जमा हो की अतिम तिथि	- दिनांक प्रकाशन से 21वां दिन तक दोपहर 2.00 बजे तक डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से
निविदा खोले जाने की अतिम तिथि	-दिनांक प्रकाशन दिवस से 21 वां दिन दोपहर 3.00 बजे पुराना चिकित्सालय डोंगरगांव अवकाश एवं आवश्यक कार्य होने पर अगले कार्य दिवस

टीप-निविदा से संबंधित नियम एवं शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन समय मे श्री टी मंडावी संगणक कक्ष 7 से प्राप्त किया जा सकता है एवं निविदा में स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूह अथवा स्थानीय अलाभकारी संस्था को प्राथमिकता दी जावेगी ।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामु. स्वा. केन्द्र डोंगरगांव

जी-08252/4

बंगाल में किस पार्टी ने बनाई हुई है बढ़त?

2019 के लोकसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में भाजपा के चमत्कारिक प्रदर्शन ने सबको चौंका दिया था। 2019 में भाजपा ने अपने वोट प्रतिशत में तो इजाफा किया ही था साथ ही सीटों की संख्या भी 18 तक पहुँचा कर सभी विश्लेषकों को चौंका दिया था। तृणमूल कांग्रेस के लिए तो यह ऐसा झटका था जिससे पार्टी लंबे समय तक नहीं उबर पाई थी। इस बार भी लोकसभा चुनावों में मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच ही होने के आसार हैं। यह दोनों ही दल अपने बलबूते चुनाव लड़ने जा रहे हैं और सभी सीटों पर एक दूसरे को कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं। भाजपा को भरोसा है कि तृणमूल कांग्रेस की 12-13 साल की सत्ता से उपजी नाराजगी का लाभ तो उसे मिलेगा ही साथ ही संदेशखाली मुद्दे को लेकर जिस तरह लोगों में गुस्सा है उसका लाभ भी पार्टी को मिलेगा। इसके अलावा, मोदी सरकार जल्द ही सीएए के नियमों को भी लाने जा रही है जिससे भाजपा का एक बड़ा चुनावी वादा पूरा होगा और मतदाताओं का ध्रुवीकरण होगा। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में तमाम मंत्रियों के भ्रष्टाचार और तृणमूल कांग्रेस नेताओं के कदाचार को लेकर जिस तरह राज्य में सत्तारुढ़ पार्टी बैकफुट पर है उसका लाभ लेने का भाजपा कोई मौका छोड़ भी नहीं रही है और लगातार उसका रुख आक्रामक बना हुआ है। भाजपा को जहां इस बात का भरोसा है कि वह इस बार बंगाल में अपनी सीटों की संख्या बढ़ाने में सफल रहेगी वहीं तृणमूल कांग्रेस भी पूरा प्रयास कर रही है कि भाजपा को आगे बढ़ने से रोका जाये। लेकिन ओपिनियन पोल दर्शा रहे हैं कि बंगाल में भी मोदी लहर देखने को मिल रही है। हम आपको बता दें कि इंडिया टीवी-सीएनएक्स की ओर से किए गए ओपिनियन पोल के अनुसार, अगर अभी लोकसभा चुनाव होते हैं तो भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल की कुल 42 लोकसभा सीटों में से 20 सीटें जीत सकती है जबकि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस चुनाव में 21 सीटें जीत सकती है। ओपिनियन पोल के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में तृणमूल 21 सीटों के साथ सबसे आगे है, बीजेपी 20 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है और शेष एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि राज्य में वाम मोर्चे को कोई सीट नहीं मिलेगी। हम आपको बता दें कि ओपिनियन पोल के मुताबिक लोकसभा चुनावों में टीएमसी को 44.5 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है जबकि भाजपा को 43 फीसदी वोट मिल सकते हैं। वाम मोर्चा को 5.68 फीसदी, कांग्रेस को 3.62 फीसदी और अन्य को 3 फीसदी वोट मिलने की संभावना है। अन्य दलों में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा, कुछ छोटे दल और निर्दलीय शामिल हैं। हम आपको याद दिला दें कि पश्चिम बंगाल में 2019 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 22 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 18 और कांग्रेस ने दो सीटें जीती थीं। ओपिनियन पोल के अनुमानों को यदि क्षेत्रवार देखें तो प्रतीत होता है कि 8 सीटों वाले उत्तरी बंगाल में भाजपा 6 और तृणमूल कांग्रेस 2 सीटें जीत सकती है। 12 सीटों वाले दक्षिण पूर्व बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 8, भाजपा 3 और कांग्रेस 1 सीट जीत सकती है। इसके अलावा, 5 सीटों वाले ग्रेटर कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस 4 सीटें और भाजपा 1 सीट जीत सकती है। 17 सीटों वाले दक्षिण पश्चिम बंगाल में भाजपा को 10 और तृणमूल कांग्रेस को 7 सीटों पर जीत मिल सकती है। जहां तक पश्चिम बंगाल की लोकसभा सीटों की बात है तो आपको बता दें कि उत्तर बंगाल क्षेत्र में कूच बिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, रायगंज, बालुरघाट, मालदा उत्तर और मालदा दक्षिण आती हैं। जबकि दक्षिण पूर्व बंगाल क्षेत्र में जंगीपुर, बेहरामपुर, मुर्शिदाबाद आदि लोकसभा सीटें आती हैं। इसी प्रकार दक्षिण पश्चिम बंगाल क्षेत्र में उलुबेरिया, सेरामपुर, हुगली, आरामबाग, तमलुक, कांथी, घाटल, झाड़ग्राम, मेदिनीपुर, पुरुलिया, बांकुरा, बिष्णुपुर, बर्धमान पूर्व, बर्धमान दुर्गापुर, आसनसोल, बोलपुर और बीरभूम लोकसभा सीटें आती हैं। ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र की लोकसभा सीटों की बात करें तो इसमें दम दम, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर और हावड़ा शामिल हैं।

राहुल के कदम आगे, पार्टी के पीछे

डॉ. आशीष वशिष्ठ

राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं। बीती 4 जनवरी से पूर्वोत्तर के मणिपुर से शुरू हुई ये यात्रा महाराष्ट्र में जाकर खत्म होगी। यात्रा को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस में भले ही उत्साह हो, लेकिन आम जनमानस में यात्रा को लेकर कोई उत्साह नहीं है। राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के उद्देश्य को लेकर घोषणा कुछ भी की हो, लेकिन निश्चित तौर पर इस यात्रा का मकसद उन्हें राजनीतिक तौर पर स्थापित करना है। जहां तक नफरत का माहौल दूर करने की बात है, तो कांग्रेस या किसी भी राजनीतिक दल का परम उद्देश्य यही होना चाहिए। ये देश का मूल मुद्दा है, स्वस्थ समाज के लिए ये जरूरी है कि उसमें किसी भी तरह की नफरत, वैमनस्य, छुआछूत या घृणा ना हो। लेकिन राहुल गांधी यात्रा के दौरान ऐसी बयानबाजी कर देते हैं जो उनकी मोहब्बत की दुकान की नीति और नीयत को संदेह के कटघरे में खड़ा कर देता है।

जहां तक इस यात्रा के जरिए विपक्ष को जोड़ने का सवाल है तो कांग्रेस पार्टी या राहुल गांधी अभी तक इस यात्रा के जरिए विपक्ष को एकजुट करने में बहुत कामयाब नहीं हुए हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ-साथ कांग्रेस से बाहर निकलने वालों की बाढ़ आ गई है, खासकर दूसरी पीढ़ी के नेताओं की। 14 जनवरी को, जिस दिन यात्रा इंफाल से शुरू हुई, पूर्व करीबी सहयोगी मिलिंद देवड़ा शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट में चले गए। 25 जनवरी को यात्रा के असम से रवाना होने के बाद समर्थन बढ़ने की बजाय, दो महिला नेता- असम में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की महासचिव बिस्मिता गोगोई और राज्य युवा कांग्रेस की पूर्व प्रमुख अंगकिता दत्ता भाजपा में चली गईं। गोगोई पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जिबकांत गोगोई की बहू हैं और दत्ता असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अंजन दत्ता की बेटी हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी भाजपा में षामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने को बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। दो बार खुद लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बन चुके अशोक चव्हाण को राज्य के मराठवाडा क्षेत्र का बड़ा नेता माना जाता था। वहीं असम में कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष राजा गोस्वामी ने भी बीते दिनों पार्टी को अलविदा कह दिया है।

कांग्रेस के सामने पार्टी से छिटक रहे नेताओं को रोकने के अलावा इंडिया गठबंधन से अलग हो रहे राजनीतिक दलों को रोकने की भी चुनौती है। दरअसल लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के इंडी अलायंस गठबंधन को सबसे बड़ा झटका नीतीश कुमार ने दिया है। जेडीयू ने बिहार में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के टूटने के लिए कांग्रेस की हठ और अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। जेडीयू ने कहा कि कांग्रेस नेता अपनी पार्टी को मजबूत करने में लगे थे, विपक्षी गठबंधन को नहीं। पश्चिम बंगाल में राहुल गांधी के पहुंचते ही तृणमूल कांग्रेस से गठबंधन टूट गया। बिहार में महागठबंधन की एक बड़ी रैली प्रस्तावित थी, लेकिन यहां राहुल गांधी के पहुंचने से पहले ही नीतीश कुमार की जदयू ने पाला बदल लिया और भाजपा के साथ मिल कर सरकार बना ली। राजद विपक्ष में आ गई।

उत्तर प्रदेश में गांधी परिवार के गढ़ रहे अमेठी में 'वापस जाओ' नारे के साथ राहुल गांधी का स्वागत हुआ, यूपी में उनकी यात्रा में भीड़ नहीं जुटी सो अलग। ऊपर से राहुल गांधी के एक के बाद एक विवादित बयानों के कारण कॉन्ग्रेस को लेकर नकारात्मक माहौल ही बना। उन्होंने अभिनेत्री ऐश्वर्या राय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। साथ ही काशी के युवकों को शराबी व नशेड़ी बता दिया। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी की नजदीकी एनडीए से बढ़ गई है। बीते कई दिनों से उनके बीजेपी के साथ जाने की अटकलें थीं। चौधरी चरण सिंह को केंद्र सरकार की ओर से भारत रत्न की घोषणा के बाद से ये तय माना जा रहा था कि जयंत चौधरी इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ देंगे और एनडीए के साथ चले जाएंगे। जयंत चौधरी आने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के साथ खड़े दिखाई देंगे। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका देते हुए अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी के सामने कांग्रेस ने घुटने टेककर किसी तरह गठबंधन किया। ऐसे में न्याय यात्रा आगे पाट, पीछे सपाट की उक्ति को चरितार्थ कर रही है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि 2019 के बाद से भले ही कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही थी, लेकिन पिछले साल मई में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी को कर्नाटक में हराकर उसने वापसी की उम्मीद जगाई थी। बीजेपी का विरोध करने वाली पार्टियां, भले ही वो कांग्रेस के मजबूत होने से सहमत नहीं थीं, लेकिन उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। इसी से इंडी अलायंसा बना। लेकिन कांग्रेस को लगा कि अगर वो छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जीत लेती है तो उसे और भी फायदा होगा। राजस्थान में हार के बावजूद भी अच्छी स्थिति रहने से कांग्रेस वापस आ गई का नारा और मजबूत होता और इसका इस्तेमाल सहयोगी दलों पर दबाव बनाने और अपनी कमजोरियों को दूर करने में मदद मिलती। लेकिन ये सोच गलत साबित हुई और कांग्रेस को एक सुनहरा मौका हाथ से निकल गया। राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से 2019 में इस्तीफा दिया था। जबकि उनकी पार्टी को 543 सदस्यीय लोकसभा में महज 52 सीटें हासिल हुई थीं, जबकि बीजेपी को 303 सीटों पर जीत मिली थी।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के साथ सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी के बीच सीटों के बंटवारे पर गतिरोध नजर आ रहा। इंडिया गठबंधन में शामिल सीपीआई-एम ने केरल की चार सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सीपीआई ने पार्टी महासचिव डी राजा की पत्नी और वरिष्ठ सीपीआई नेता एनी राजा को वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। वर्तमान में राहुल गांधी वायनाड से सांसद हैं। हालांकि, इंडिया गठबंधन की तरफ से अभी केरल में सीटों की शेयरिंग को लेकर अभी कोई समझौता सामने नहीं आया है। यही वजह है कि यूपी में समाजवादी पार्टी और दिल्ली, हरियाणा, गुजरात में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने के बावजूद, कांग्रेस आलाकमान की चुनौतियां कम होती नजर नहीं आ रहीं।

भाजपा लोकसभा चुनाव के रण में उतरने को पूरी तरह से तैयार है। भाजपा ने इस बार 400 से ज्यादा का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का जोश उच्च स्तर पर है। वास्तव में, बड़ी चुनौती लीडरशिप को लेकर ही है। यह भाजपा के अभियान से बनी छवि की लड़ाई भर नहीं है। क्या राहुल गांधी स्वयं को सक्षम नेता के तौर पर साबित कर पाएंगे? क्या वे स्वयं को नए सिरे से तैयार कर पाएंगे? अभी ये नहीं कहा जा सकता है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा से राहुल गांधी या कांग्रेस को राजनीतिक रूप से कितना फायदा होगा। लेकिन यदि कांग्रेस अब अपने दम पर सौ लोकसभा सीट जीतने की स्थिति में भी पहुंच जाती है तो वो निश्चित रूप से विपक्ष का बड़ा चेहरा होंगे। फिलहाल यात्रा को लेकर जो खबरें आ रही हैं कि गठबंधन का बिखरता कुनबा और लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर यात्रा को तय समय से पहले ही समेटने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-21)

गतांक से आगे...

अपने पुत्र निदाघ मुनि की सभी बातें सुनकर ऋषिवर ऋभु ने कहा- हे प्रभु! तुम ज्ञानियों में सर्वश्रेष्ठ हो। अब तुम्हारे लिए कुछ भी जानकारी के योग्य शेष नहीं रह गया है। तुम ईश्वर की महती कृपा से अपनी ही प्रज्ञा- बुद्धि के द्वारा सभी कुछ समझ गये हो। फिर भी हे मुने ! तुम्हारे चित्त में मलिनता के द्वारा जो भी भ्रम प्रादुर्भूत हुआ है, उसका मैं निवारण करूँगा। शम (मनोनिग्रह), विचार, संतोष एवं सत्संग ही मोक्षद्वार के चार द्वारपाल के रूप में कहे गये हैं। यदि इनमें से किसी एक का भी आश्रय प्राप्त कर लिया जाये, तो शेष तीनों द्वारपाल सहजतापूर्वक स्वयमेव ही अपने वश में हो जाते हैं।

सर्वप्रथम इस नश्वर जगत् से मोक्ष प्राप्त करने के लिए तप, दम (इन्द्रिय निग्रह), शास्त्र एवं सत्संग के द्वारा अपने सज्ञान को बढ़ाया जाना चाहिए। अपनी आत्मा के अनुभव, शास्त्रों एवं गुरु के वचनों के उपदेश से सतत अभ्यास द्वारा आत्मचिन्तन करना चाहिए।

यदि तुमने सदैव के लिए संकल्प एवं आशा के अनुसन्धान का परित्याग कर दिया है, तो तुम्हें वह कैवल्य की प्राप्ति हो ही गयी होगी। जो चित्त का अकर्तृत्व है, वही चित्त वृत्तियों का निरोध अर्थात् समाधि कही गयी है। यही कैवल्यावस्था एवं परम कल्याणस्वरूपा परम शान्ति कहलाती है। इस जगत् के सम्पूर्ण पदार्थों में आत्म भावना का सम्यक् रूप से त्याग करके संसार में गूँगे, अंधे एवं बधिरों के समान तुम्हारे रहने से ही यह संभव है।

सभी कुछ प्रशान्त है, एक है, जन्मरहित है, केवल अनुभवगम्य है, चित्तरहित है आदि जो शब्दरूप दृष्टि है, वह व्यर्थ ही है। आत्मबोध में बाधास्वरूप है। जो कुछ भी प्रपञ्च में दृष्टिगोचर होता है- तत्त्वतः वही प्रणवरूप है।

क्रमशः ...

जमशेदजी टाटा ने लिया था अंग्रेजों से बदला

अनन्या मिश्रा

भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति और औद्योगिक घराने टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा का आज जन्म दिन है। जमशेदजी ने भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जमशेदजी को भारतीय उदंयोग जगत का भीष्म पितामह के तौर पर जाना जाता है। भारत में जब जमशेदजी ने औद्योगिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया, उस दौरान सिर्फ यूरोपीय और अंग्रेज ही उद्योग स्थापित करने में कुशल समझे जाते थे। उन्होंने टाटा स्टील, ताज होटल और IISC बैंग्लोर जैसे ऑर्गनाइजेशन की स्थापना की। कहा जाता है है कि जमशेदजी के अंदर भविष्य को भांपने की क्षमता थी।

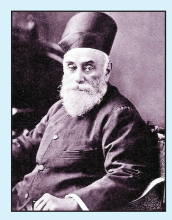

जमशेद का जन्म 3 मार्च 1839 को गुजरात के नवसारी परिवार में हुआ था। वह पारसी परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता नुसीरवानजी और मां का नाम जीवनबाई टाटा था। जमशेदजी के पिता नुसीरवानजी टाटा अपने परिवार के पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने व्यापार करना शुरू किया था। वहीं महज 14 साल की उम्र से जमशेदजी ने भी अपने पिता का हाथ बंटाना शुरू कर दिया था। 17 साल की उम्र में जमशेदजी ने मुंबई के एलफ़िंसटन कॉलेज में एडमिशन लिया। वहीं 2 साल बाद 1858 में ग्रेजुएशन तक पढ़ाई करने के बाद पूरी तरह से अपने पिता के व्यवसाय में हाथ बंटाने लगे। इसके बाद हीरा बाई दबू के साथ जमशेदजी की शादी हुई। जमशेदजी ने व्यापार के सम्बन्ध में अमेरिका, यूरोप और इंग्लैंड समेत कई अन्य देशों की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने व्यापार संबंधी महत्वपूर्म बातों को ध्यान से समझा और जाना। इन यात्राओं से जमशेदजी यह बात अच्छे से समझ गए थे कि ब्रिटिश आधिपत्य वाले कपड़ा उद्योग में भारतीय कंपनियां भी सफल हो सकती हैं। उन्होंने अपने पिता की कंपनी में 29 साल की उम्र तक काम किया। इसके बाद 1868 में 21 हजार रुपए के निवेश से ट्रेडिंग कंपनी शुरू की। सन 1869 में जमशेदजी ने बंबई के इंडस्ट्रियल हब चिंचपोकली में एक दिवालिया तेल मिल खरीदा। फिल उसका नाम बदलकर एलेक्जेंडर मिल रख दिया। इस दिवालिया हो चुके तेल मिल को करीब दो साल बाद जमशेदजी ने मुनाफे के साथ बेचा और उसी पैसों से नागपुर में एक कॉटन मिल स्थापित की। जमशेदजी भविष्य को बारीकी से समझते थे। इसलिए न सिर्फ उन्होंने देश में औद्योगिक विकास का मार्ग खोला बल्कि अपने कारखानों में काम करने वाले कारीगरों का भी ख्याल रखते थे। वह हमेशा श्रमिकों और मजदूरों के कल्याण के मामले में समय से काफी आगे थे। वह सफलता का श्रेय सिर्फ ही नहीं बल्कि उनके लिए काम करने वालों को भी देते थे।

जमशेदजी के फिरोजशाह मेहता और दादाभाई नौरोजी जैसे अनेक राष्ट्रवादी और क्रांतिकारी नेताओं से अच्छे संबंध थे। वहीं दोनों पक्षों की सोच और कार्यों ने सभी को बहुत प्रभावित किया। जमशेदजी का मानना था कि राजनीतिक स्वतंत्रता का आधार आर्थिक स्वतंत्रता है। उनके लक्ष्यों में स्टील कंपनी, जलविद्युत परियोजना, ताज होटल और एक प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान खोलना शामिल था। लेकिन उनके जीवन में उनका एक ही लक्ष्य पूरा हो सका और वह था ताज होटल की स्थापना करना।

मरियम ने मोदी का नाम लेकर कार्यकाल की शुरुआत की

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान में परिवारवादी राजनीति की विरासत को आगे बढ़ाते हुए मरियम नवाज पंजाब सूबे की मुख्यमंत्री बन गयी हैं। नवाज शरीफ की बेटी मरियम इससे पहले अपने चाचा शहबाज शरीफ की सरकार में पाकिस्तान की सूचना मंत्री रह चुकी हैं। मरियम पाकिस्तान के सबसे बड़े सूबे पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री तो हैं ही साथ ही उन्हें अपने पिता की वास्तविक राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में भी देखा जाता है। माना जा रहा है कि आगे चल कर वह देश के प्रधानमंत्री का पद भी संभाल सकती हैं और यदि ऐसा हुआ तो बेनजीर भुट्टो के बाद वह दूसरी ऐसी महिला होंगी जो प्रधानमंत्री पद तक पहुँचेंगी। मरियम को पंजाब का मुख्यमंत्री बना कर नवाज शरीफ ने इस बात के साफ संकेत दे भी दिये हैं कि आने वाले समय में उनकी बेटी ही देश पर राज करेगी। लाहौर में शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर पिता और चाचा के बीच मुस्कुराती हुईं मरियम साफ संकेत दे रही थीं कि पाकिस्तान में एक बड़ी राजनीतिक हस्ती का उदय हो रहा है।

यहां यह बात भी गौर करने लायक है कि लगभग 180 साल बाद पंजाब के उस भाग में किसी महिला का शासन आया है। इसके अलावा मरियम का मुख्यमंत्री बनना पाकिस्तान जैसी पुरुष-प्रधान राजनीतिक व्यवस्था में कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, जहां महिलाओं को अक्सर हाशिये पर धकेल दिया जाता है। इसके अलावा यह निश्चित रूप से उस परिवार में भी कोई छोटी उपलब्धि नहीं है जहां हर व्यक्ति पंजाब प्रांत का मुख्यमंत्री रहा है या बनना चाहता है। हम आपको बता दें कि नवाज शरीफ ने शहबाज शरीफ को भी प्रधानमंत्री बनवाने से पहले उन्हें कई बार पंजाब का मुख्यमंत्री बनाया और उसके बाद जब इमरान खान की सरकार गिरी तो शहबाज को पद संभालने के लिए आगे कर दिया। अब जब पाकिस्तान में एक बार फिर गठबंधन सरकार बनने जा रही है तो नवाज शरीफ ने शहबाज शरीफ के नाम पर गठबंधन दलों के बीच सहमति बनवा ली है। इस तरह चाचा देश का प्रधानमंत्री होगा और भतीजी पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत और देश के किसी भी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री होंगी।

हम आपको बता दें कि मरियम अक्टूबर 1999 में पहली बार तब सुर्खियों में आई थीं जब अक्टूबर 1999 में जनरल परवेज मुशर्रफ ने उनके पिता नवाज शरीफ की सरकार का तख्तापलट कर दिया था और उन्हें कैद कर लिया था। उस समय परवेज मुशर्रफ ने नवाज परिवार के पुरुष सदस्यों को जेल में डाल दिया था। उस समय नवाज की पत्नी कुलसुम और बेटी मरियम ने जनता का समर्थन हासिल करने के लिए रैलियां की थीं और मीडिया को साक्षात्कार दिये थे। देखा जाये तो राजनीतिक उत्पीड़न का सामना करने से ही मरियम नवाज़ का राजनीतिक कॅरियर शुरू हुआ था। तानाशाहों और दूसरे दलों की सरकारों ने जहां उनके पिता को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया वहीं मरियम के खिलाफ अदालतों में झूठे राजनीतिक मुकदमे दायर कर दिये। जुलाई 2018 में लाहौर हवाई अड्डे पर नवाज शरीफ और मरियम को आम चुनाव से कुछ दिनों पहले जब हिरासत में ले लिया गया था तब भी उनके चेहरे पर जरा भी शिकन देखने को नहीं मिली थी। पाकिस्तान में देखा जाये तो राजनीतिक शुरुआत से पहले जेल जाना सभी के लिए फायदेमंद रहा है।

यही नहीं, पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार के दौरान उन्हें कई तरह से प्रताड़ित किया गया लेकिन वह सरकार के खिलाफ मुखर बनी रहीं। उस दौरान लंदन में बैठे नवाज शरीफ ने चेताया भी था कि यदि उनकी बेटी को कुछ हुआ तो वह किसी को नहीं बख्शेंगे। हम आपको यह भी बता दें कि मरियम को प्रशासनिक कार्यों का अनुभव पहले से ही हासिल है। दरअसल 2013 में अपने पिता के तीसरे प्रधानमंत्रित्व काल में मरियम को पीएमएल-एन में प्रमुख भूमिका मिली थी। उन्होंने उस दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय में एक मीडिया संचार सेल की स्थापना की और प्रधानमंत्री के युवाओं संबंधी कार्यक्रमों का प्रभार भी संभाला। परन्तु उस समय मरियम का बढ़ता प्रभाव और सरकारी कामों में उनकी दखलंदाजी के चलते बहुत से अफसर उन्हें नापसंद करते थे और अक्सर उन्हें विवादों से जोड़ा जाता था। उदाहरण के लिए, उन्हें 2016 के तथाकथित डॉन लीक्स में फंसाने का प्रयास किया गया था। इसके अलावा उन पर ईशनिंदा सामग्री का समर्थन करने का आरोप भी लगाया गया था।

देखा जाये तो बेनजीर भुट्टो से लेकर मरियम नवाज तक, पाकिस्तान की महिला राजनेताओं के लिए शीर्ष तक का सफर आसान नहीं रहा है। पाकिस्तान में जलसों, सभाओं और ऑनलाइन प्लेटफार्मों में महिलाओं के बारे में घिनौनी बातें कहना कोई नई बात नहीं है। इमरान खान को ही लीजिए, जिन्होंने कहा था कि मरियम मेरा नाम इतनी शिद्दत से मत लेना वरना तुम्हारे पति को बुरा लगेगा। यही नहीं शपथ ग्रहण के बाद यदि मैडम सीएम विधानसभा में हाथ जोड़ती हैं या सम्मान के लिए अपने पिता के पैर छूती हैं, तो आलोचक जवाब देते हुए कहते हैं कि यह हमारी संस्कृति नहीं है। हम आपको बता दें कि मुख्यमंत्री बनने के बाद जब मरियम ने अपने पिता नवाज शरीफ के पैर छुए तो पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर कई लोगों ने लिखा कि ये हमारी संस्कृति नहीं है, ये सब तो हिंदू करते हैं।

बहरहाल, विधानसभा में अपने पहले संबोधन से मरियम ने संकेत दिये हैं कि वह सबको साथ लेकर चलेंगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि अर्थव्यवस्था को संभालना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर चलने के संकेत भी दिये हैं। पाकिस्तानी पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने प्रधानमंत्री मोदी के आर्थिक दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका इरादा पीएम मोदी के आर्थिक मॉडल के समान कार्यक्रमों को लागू करने का है। मरियम नवाज ने कहा है कि वह पंजाब प्रांत को आर्थिक केंद्र में बदलने के लिए नीतियां बनाएंगी। देखना होगा कि मोदी की आर्थिक नीतियों पर चलते हुए मरियम पाकिस्तानी पंजाब को कैसे आगे बढ़ाती हैं। हम आपको याद दिला दें कि इससे पहले इमरान खान मोदी की विदेश नीति के मुरीद रहे हैं और अब मरियम की ओर से मोदी की आर्थिक नीतियों की तारीफ की गयी है। कहा जा सकता है कि पाकिस्तान में भारतीय प्रधानमंत्री का एक और बड़ा राजनीतिक प्रशसंक पैदा हो गया है।

आज का इतिहास

1879 पहली अमेरिकी महिला वकील ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में कदम रखा (बेलवा एन बेनेट लॉकवुड)।

1885 अमेरिकी टेलीफोन और टेलीग्राफ (पहला लोगो चित्रित), दुनिया की सबसे बड़ी टेलीफोन कंपनी की शुरुआत में, न्यूयॉर्क में शामिल किया गया था।

1900 कोटलेब डाइमलर नामक जर्मन वैज्ञानिक का 64 वर्ष की आयु में निधन हुआ। उन्होंने मोटर साइकिल बनाने में कामयाबी पाई।

1911 यू.एस. सेना ने पहला डेंटल कॉर्प्स का निर्माण किया गया, इसमें साठ दंत चिकित्सक शामिल हुए।

1913 वाशिंगटन, डीसी (प्रोग्राम्ड) की हजारों महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन की भावना में एमेरिकन सोसाइटी की महिलाओं के बहिष्कार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

1915 नेशनल एडवाइजरी कमेटी फॉर एरोनॉटिक्स (एनएसीए), नासा के पूर्ववर्ती, की स्थापना की गई थी।

1915 संयुक्त राज्य अमेरिका ने नासा के पूर्ववर्ती एरोनॉटिक्स के लिए राष्ट्रीय सलाहकार समिति की स्थापना की।

1924 क्रोएशिया के आधुनिक शहर रिजेका में स्थित एक अल्पकालिक स्वतंत्र राज्य, फ्री ऑफ फेम, इटली के राज्य द्वारा संलग्न किया गया था।

1926 जर्मनी और अफगानिस्तान ने आपस में दोस्ती के समझौते पर हस्ताक्षर किया।

1938 सऊदी अरब में तेल की खोज की गयी।

1943 द्वितीय विश्व युद्ध - लंदन में एक जर्मन हवाई हमले के दौरान, बेथल ग्रीन्ट्यूब स्टेशन में प्रवेश करने की कोशिश के दौरान भगदड़ में 173 लोग मारे गए थे, जिसका उपयोग हवाई हमले के आश्रय स्थल के रूप में किया जा रहा था।

1945 एक पूर्व आर्मिया क्रजोवा इकाई ने पोलैंड के पावलोकोमा में कम से कम 150 यूक्रेनी नागरिकों का नरसंहार किया।

1951 इके टर्नर और उनके बैंड के साथ जैकी ब्रेनस्टन ने रॉकेट 88 दर्ज किया, जिसे अक्सर मेम्फिस, टेनेसी के सैम फिलिप्स के रिकॉर्डिंग स्टूडियो में पहले रॉक एंड रोल रिकॉर्ड के रूप में उद्धृत किया गया था।

1974 तुर्की एयरलाइंस का डीसी10 विमान पेरिस के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसकी वजह से विमान में सवार सभी 345 लोगों की मौत हो गई।

1980 पियरे त्रिदियू ने दूसरी बार कनाडा के प्रधानमंत्री के रुप में शपथ ली।

1980 पियरे ट्रूडो कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में दोबारा कार्यभार संभाला।

हिमाचल में कांग्रेस सरकार बची, लेकिन कितने दिन?

अजय सेतिया

कहा जा रहा है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बच गई है, लेकिन यह पूरा सच नहीं है। पूरा सच यह है कि स्पीकर ने अपने पद का दुरुपयोग करके सरकार को फिलहाल राहत पहुंचाई है।

इस राहत की वजह से कुछ समय के लिए युद्धविराम हुआ है। युद्ध बंद नहीं हुआ है। खुद हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह मौजूदा स्थिति को अंतिम नहीं मानती। संकट की इस घड़ी में वीरभद्र सिंह की पत्नी और मंडी लोकसभा सीट से सांसद प्रतिभा सिंह को एकदम किनारे कर दिया गया था, जिससे उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह का यह आरोप सही साबित हो गया कि उनके परिवार की अनदेखी की जा रही है।

सुक्खू सरकार ने दस जनपथ (सोनिया गांधी का आवास) के इशारे पर शिमला के रिज पर वीरभद्र सिंह की मूर्ति लगाने की इजाजत नहीं देकर उनके परिवार के साथ खुद टकराव मोल लिया है। वीरभद्र सिंह जब तक जीवित थे, दस जनपथ उनका कुछ नहीं बिगाड़ सका। वीरभद्र सिंह जब 2012 से 2017 तक आखिरी बार मुख्यमंत्री थे, तो उनकी दस जनपथ से खटपट शुरू हो गई थी।

सोनिया गांधी ने उनके विरोधी रहे सुखविंदर सिंह सुक्खू को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया था। जिस पर 2017 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हिमाचल कांग्रेस में घमासान शुरू हो गया। सोनिया गांधी के इशारे पर प्रदेश कांग्रेस की प्रभारी अंबिका सोनी ने सुक्खू को ज्यादा तरजीह देना शुरू कर दिया था, जो मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को रास नहीं आ रहा था।

वीरभद्र लगातार सुक्खू को हटाने की मांग कर रहे थे, उन्होंने सुक्खू के साथ मुलाक़ात से भी इनकार कर दिया था। वह इतने खफा थे कि उन्होंने सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखकर साफ कह दिया था कि अब वह ना तो खुद चुनाव लड़ेंगे और ना ही चुनाव लड़वाने की जिम्मेदारी लेंगे।

तब अहमद पटेल ने बीच बचाव किया तो वीरभद्र सिंह ने अंबिका सोनी के घर पर सुक्खू से मुलाक़ात की। इस बैठक में अहमद पटेल ने वीरभद्र सिंह को आश्वासन दिया कि अगले चुनाव की जिम्मेदारी उन पर ही है, और वे ही कांग्रेस का चेहरा होंगे, बस सुक्खू को अध्यक्ष बने रहने दीजिए, वह आपके हिसाब से ही चलेगा, तब जा कर वीरभद्र सिंह माने थे।

हालांकि हिमाचल प्रदेश में एक बार भाजपा, एक बार कांग्रेस की रिवायत जारी रही और 2017 के चुनाव में भाजपा जीत गई, इसी बीच 2020 में वीरभद्र सिंह का देहांत हो गया। लेकिन उनका नाम इतना बड़ा था कि दस जनपथ चाह कर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था।

मंडी लोकसभा सीट से भाजपा के निर्वाचित सांसद राम स्वरूप शर्मा का निधन हो गया, तो कांग्रेस ने इस सीट को जीतने के लिए वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को चुनाव मैदान में उतारा, वह सफल भी रही। यह आश्चर्यजनक था, क्योंकि हिमाचल प्रदेश और केंद्र, दोनों जगह भाजपा की सरकार थी, लेकिन मंडी लोकसभा सीट का उपचुनाव प्रतिभा सिंह जीत गईं।

वीरभद्र सिंह की लोकप्रियता और उनकी विरासत का लाभ उठाने के लिए कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रतिभा सिंह को ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया। लेकिन विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद वीरभद्र सिंह के विरोधी रहे सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री बना दिया।

मुख्यमंत्री के चयन के समय भी प्रदेश कांग्रेस में बहुत बवाल हुआ था। वीरभद्र समर्थकों की मांग थी कि प्रतिभा सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जाए, अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाता, तो उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह को उपमुख्यमंत्री बनाया जाए। लेकिन दोनों ही बातें नहीं हुईं। जिससे वीरभद्र सिंह के परिवार में असंतोष कायम हो गया।

इस असंतोष की पहली झलक तब मिली थी, जब विक्रमादित्य सिंह ने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला के विग्रह में प्राण प्रतिष्ठा का न्योता स्वीकार करते हुए आरएसएस और विश्व हिन्दू परिषद का आभार जताया। वह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल भी हुए, जहां उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने उन्हें राज्य अतिथि का दर्जा दिया था।

कांग्रेस ने राज्य से बाहरी अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल प्रदेश की राज्यसभा सीट से उम्मीदवार बना कर वीरभद्र सिंह के परिवार को दस जनपथ पर पहला हमला करने का मौक़ा खुद दिया। मुख्यमंत्री सुक्खू इस आने वाले संकट को भांप गए थे, इसलिए, उन्होंने सोनिया गांधी से आग्रह किया था कि अगर किसी स्थानीय को उम्मीदवार नहीं बनाना है, तो वह खुद हिमाचल से उम्मीदवार बनें, लेकिन सोनिया गांधी भी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती थी।

भाजपा ने सिर्फ 25 विधायक होने के बावजूद जब कांग्रेस से भाजपा में आए वीरभद्र सिंह के ही वफादार रहे हर्ष महाजन को चुनाव मैदान में उतारा तभी समझ आ गया था कि पर्दे के पीछे से वीरभद्र समर्थक कांग्रेसी विधायकों का समर्थन मिल चुका है। छह विधायकों की क्रास वोटिंग के बाद जिस तरह विक्रमादित्य सिंह ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया, उससे संकेत मिल गया था कि सिर्फ छह नहीं, कुछ अन्य विधायक भी पाला बदल कर सुक्खू सरकार गिराने का मन बना चुके हैं।

इसलिए, विधानसभा स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने विपक्ष के 15 विधायकों को सस्पेंड करके आनन फानन में बजट पास करवाया, और विधानसभा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष अगर 28 फरवरी को ही अविश्वास प्रस्ताव ले आता, तो सरकार गिरना तय थी। स्पीकर ने सरकार को बचाने के लिए बड़ी तीव्रता से और होशियारी से काम किया।

सदन को अनिश्चितकाल तक स्थगित करने के बाद उन्होंने क्रास वोटिंग करने वाले छह विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी। दलबदल क़ानून के अंतर्गत 24 घंटे में फैसला सुना कर हिमाचल के स्पीकर ने रिकार्ड बना दिया। हालांकि उनका फैसला कोर्ट में टिकने वाला नहीं है, क्योंकि राज्यसभा चुनाव में व्हिप जारी नहीं किया जाता, क्रॉस वोटिंग करने वालों पर पार्टी कार्रवाई करती है, लेकिन उसकी सदस्यता आज तक तो कभी भी रद्द नहीं गई थी। यह नया मामला है, जब राज्यसभा के चुनाव में व्हिप जारी किया गया, और उसके आधार पर स्पीकर ने सदस्यता रद्द कर दी।

अब सदन 68 से घटकर 62 का रह गया है, और कांग्रेस के सदस्य 34 रह गए हैं। यानी स्पीकर को निकाल दें, तो सिर्फ दो सदस्यों का बहुमत बचा है। उधर भाजपा के पास तीन निर्दलियों समेत 28 विधायक हैं। विक्रमादित्य सिंह चार विधायक भी साथ ले आएं, तो सरकार गिर सकती है। स्पीकर के फैसले के खिलाफ छह विधायक कोर्ट का रूख कर चुके हैं। अब सब कुछ कोर्ट के हाथ में है, अगर कोर्ट ने स्पीकर के फैसले पर स्टे लगा दिया, तो विधानसभा का सत्र बुलाने की मांग की जाएगी।

हालांकि विपक्ष के कहने पर या तीन निर्दलीय विधायकों के कहने पर राज्यपाल मुख्यमंत्री को बहुमत साबित करने के लिए नहीं कह सकते। ऐसी ही स्थिति में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी ने उद्धव ठाकरे को बहुमत साबित करने को कहा था, तो सुप्रीमकोर्ट ने उनकी आलोचना की थी। महाराष्ट्र के राज्यपाल ने विपक्षी दल भाजपा और निर्दलियों के कहने पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बहुमत साबित करने को कहा था। स्पीकर की तत्परता से सुक्खू सरकार को विधानसभा के अगले सत्र तक जीवनदान मिल गया है। लेकिन छह विधायकों को कोर्ट से राहत मिले या न मिले, सुखविंदर सुक्खू की सरकार का गिरना तय है।

लोकतंत्र के लिए सशक्त विपक्ष भी जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

देश के मतदाताओं के मन की बात जानने का दावा करने वालों का, अथवा अनुमान लगाने वालों का, मानना है कि आज की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आम चुनाव में भाजपा को आसानी से बढ़त मिलने की संभावना है। इस 'आसानी से' का सही आकलन तो चुनाव के परिणाम ही बताएंगे, लेकिन यह तय है कि भारतीय जनता पार्टी जिस शिद्दत के साथ चुनाव की तैयारी में लगी है उसमें किसी भी प्रकार की गफलत के लिए कोई जगह नहीं है। जीत की सारी संभावनाओं के बावजूद प्रधानमंत्री समेत भाजपा का समूचा नेतृत्व जीत के लिए हर जरूरी कोशिश में लगा हुआ है। दूसरी ओर चुनाव को लेकर विपक्ष की कोशिशें अभी तो आधी-अधूरी ही दिख रही हैं, इंडिया गठबंधन के शुरुआती दौर में यह अवश्य लगा था कि विपक्ष की कोशिशों में कुछ दम है, पर बात बनी नहीं, कोशिश कमजोर पड़ने लगी। सीटों का बंटवारा आसान नहीं था, यह तो सब जानते थे, पर कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों के स्वार्थ भाजपा से लड़ने के लिए जरूरी मजबूत इरादों की तुलना में इतने कमजोर बन जाएंगे, यह नहीं लग रहा था। पर ऐसा हुआ। राजनीतिक दलों द्वारा अपने-अपने राजनीतिक हितों की रक्षा करना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, पर देश की वर्तमान राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि विपक्ष चुनौती को स्वीकार करने में विफल सिद्ध हो रहा है, आगामी दो महीनों में देश की राजनीति क्या करवट लेती है यह तो अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन फिलहाल जो स्थिति बनी है वह भाजपा के लिए चुनावी लड़ाई आसान होती दिखाई देने वाली है। लेकिन इस संदर्भ में इस बात पर गौर किया जाना जरूरी है कि जनतंत्र की सफलता और सार्थकता एक मजबूत विपक्ष पर ही निर्भर करती है। दुर्भाग्य से, आज विपक्ष कमजोर होता दिख रहा है। जनतंत्र की सफलता के लिए सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन होना जरूरी है। संसद में भारी-भरकम बहुमत वाली सरकार के निरंकुश बनने के खतरे बढ़ जाते हैं और विपक्ष का बहुत कमजोर होना भी जनतंत्र की सफलता के लिए खतरा ही होता है। आजादी प्राप्त करने के बाद के दो-एक शुरुआती चुनावों में हमारी संसद में विपक्ष काफी कमजोर था, तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी कांग्रेस के सांसदों को आगाह किया था कि विपक्ष की भूमिका भी उन्हें ही निभानी होगी। विपक्ष का काम सरकार के कामकाज पर नजर रखने का होता है। सरकार की निरंतर चौकसी ही जनतंत्र की सफलता की गारंटी होती है। यह चौकीदारी प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए ही संसद और विधानसभाओं में सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन की अपेक्षा की जाती है। सरकार और विपक्ष दोनों की मजबूती ही जनतंत्र को मजबूत बनाती है। दुर्भाग्य से आज जो स्थिति है वह इस संदर्भ में भरोसा दिलाने वाली नहीं है।

भाजपा का 50 प्रतिशत वोट के आंकड़ों को छूना है मकसद

अभिनय आकाश

चुनाव के नतीजों में उलटफेर कर देने वाली लहरे जिन्हें देश ने देखा, वोटर के मन को बदल देने वाली लहरे जिसे साल 2014 में पूरी जनता ने देखा। विपक्ष को सत्ता में लाकर बिठा देने वाली लहरे और सत्ता को विपक्ष में बिठाने वाली लहरे से भी मुखातिब हुआ देश। देश की सबसे पुरानी पार्टी को इतिहास की राजनीति का डब्बा बना देने वाली लहरों की तपिश को जनतंत्र ने महसूस किया। जिस भाजपा के बारे में कहा जाता था कि बैठक, भोजन और विश्राम... भाजपा के यह तीन काम इस धारणा को 2014 और फिर 2019 के चुनाव में ध्वस्त करके रख दिया गया। 182 की चौखट पर हांफने वाली बीजेपी ने एक नहीं दो-दो दफा अपने बूते बहुमत के आंकड़े को पार किया। दसों दिशाओं से आने वाली जीत आती चली गई।

मोदी के अश्वमेध रथ पर अमित शाह जैसा सारथी घर्र-घर्र करते हुए आगे बढ़े तो उसकी चाप से हिन्दुस्तान का मुकद्दर रचने चले नए सिंकंदर की जयजयकार सुनाई पड़ने लगी। भारतीय जनता पार्टी ने अपने बढ़ते प्रभाव का प्रदर्शन करते हुए 2019 में 224 सीटों पर 50 प्रतिशत से अधिक वोटों के साथ जीत दर्ज की, जो 2014 में 136 से काफी अधिक रही। लेकिन जैसे-जैसे आम चुनाव नजदीक आ रहे हैं, भाजपा सरकार ने अपने आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए सीट लक्ष्य की घोषणा की है जो कि पिछली बार जीते गए निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या से 67 अधिक है। पीएम मोदी ने 2024 में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनने का विश्वास जताते हुए आगामी लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सौ सवा सौ दिन रह गए हैं। मैं आमतौर पर आंकड़ों के चक्कर में नहीं पड़ता हूं, लेकिन देश का मिजाज देख रहा हूं। मुझे विश्वास है कि देश बीजेपी को 370 सीटें अवश्य देगा और एनडीए का आंकड़ा 400 के पार रहेगामें अपने तीसरे कार्यकाल के लिए योजनाओं की बात कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के लिए 370 सीटों का

लक्ष्य और एनडीए के लिए 400 से अधिक सीटों का लक्ष्य रखा है, तो उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों को कथित तौर पर अगली सरकार में अपने वर्तमान मंत्रालयों के लिए 100-दिवसीय योजना तैयार करने के लिए कहा है। साथ ही, भाजपा नए गठबंधनों के साथ-साथ छोटे-बड़े अन्य दलों को अपने पक्ष में लाने के लिए आक्रामक तरीके से प्रयास कर रही है। पार्टी नेताओं ने कहा कि आंध्र प्रदेश में टीडीपी-जनसेना पार्टी और उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोक दल के साथ सौदे लगभग तय हो चुके हैं, जबकि किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण लगे झटके के बावजूद अकाली दल के साथ बैक-चैनल बातचीत अभी भी जारी है। चुनावी वर्ष में पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह के साथ-साथ एम एस स्वामीनाथन और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की श्रृंखला को भी विशिष्ट राजनीतिक संदेशों के उद्देश्य से देखा गया। जबकि भाजपा के प्रतिद्वंद्वी इस बात पर ज़ोर दे रहे हैं कि ये संख्या बल जुटाने के लिए पार्टी की हताशा को दर्शाता है, नेताओं का कहना है कि इस चरण-दर-चरण संयोजन की एक विधि है न केवल व्यापक बहुमत हासिल करना है बल्कि वोट शेयर के मामले में 50% के करीब आना भी है। विपक्ष का भारतीय गुट अक्सर इस तथ्य से पीछे हट जाता है कि 64% से अधिक मतदाताओं ने 2019 में भाजपा के गठन को उचित ठहराने के लिए उसे वोट नहीं दिया।

भाजपा सरकार के पास एक विशिष्ट आंकड़ा है जिसे वह पार करने की उम्मीद कर रही है। भाजपा ने 2019 में राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में सभी सीटें जीत ली थीं, मध्य प्रदेश में सिर्फ एक (छिंदवाड़ा) और छत्तीसगढ़ में दो (बस्तर, कोरबा) सीटें हार गईं, जबकि एनडीए गठबंधन ने बिहार में एक सीट किशनगंज को छोड़कर सभी सीटें जीती थीं। सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 80 में से 62 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की थी और राम मंदिर अभिषेक द्वारा बनाई गई सद्भावना के बल पर इसे बनाए रखने के लिए पार्टी पूरी तरह से आश्वस्त है। यहां तक कि एकमात्र दक्षिणी राज्य कर्नाटक में जहां एक प्रमुख पार्टी बीजेपी ने 2019 में 29 में से 28 सीटों पर फतह हासिल किया था। एकमात्र शेष सांसद सुमलता अंबरीश (स्वतंत्र) ने लोक में मोदी सरकार को अपना समर्थन दिया था। 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में हार के बावजूद, भाजपा को जद (एस) के साथ सहयोगी के रूप में गठबंधन करने के बाद अपना प्रभुत्व बनाए रखने की उम्मीद है। पूर्वोत्तर के राज्यों की कुल 25 लोकसभा सीटों में से अभी बीजेपी 11 पर काबिज है। लेकिन क्षेत्रीय पार्टियों की वजह से असम में ही इसके बढ़ने की उम्मीद है। असम में कुल 14 लोकसभा सीटें हैं, जिनमें से बीजेपी के पास 9 सीटें हैं। जहां 3 से 4 सीटें बढ़ सकती हैं। बीजेपी की कोशिश असम में अपनी 9 सीटों को बढ़ाकर 12 तक ले जाना। अरुणाचल प्रदेश से लकर मेघालय और त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर की सभी 25 सीटों को बीजेपी गठबंधन अपने पास रखने की फिराक में है। भाजपा नेताओं का कहना है कि पार्टी ओडिशा और तेलंगाना में भी अपनी संख्या बढ़ाएगी, जहां अपनी उपस्थिति सुधारने के उसके प्रयास बहुत सफल नहीं रहे हैं। हालाँकि, अगर ये सभी संख्याएँ सही रहती हैं, तो भी भाजपा की संख्या 370 को पार नहीं कर सकती है। इसलिए आंध्र प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में गठबंधन पर जोर दिया जा रहा है, जहां भले ही भाजपा सीटें नहीं जीतती हो, लेकिन वह इन गठबंधनों के बल पर वोट हासिल कर सकती है।

संघीय मूल्यों की खातिर टालने होंगे टकराव के हालात

रामचंद्र गुहा

वर्ष 2019 के बाद जब से नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापस लौटी है, केंद्र सरकार और गैर-भाजपा शासित राज्यों के बीच टकराव बढ़ गए हैं। विशेष रूप से तीन राज्य इस संघर्ष के केंद्र में रहे हैं- पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल। सभी मामलों में केंद्र द्वारा नियुक्त राज्यपाल केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से पक्षपातपूर्ण ढंग से काम करते प्रतीत होते हैं। इन राज्यों का दावा है कि केंद्र ने उन्हें उनके राज्य का पैसा देने से इनकार कर दिया है, उनके राज्य की सांस्कृतिक विरासत की उपेक्षा की है आदि।

हाल के महीनों में दो अन्य राज्य असहमतों के इस क्लब में शामिल हो गए हैं। ये हैं- पंजाब और कर्नाटक, जहां क्रमशः आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की सरकार है। पंजाब के राज्यपाल वहां के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ भिड़ गए। जहां तक कर्नाटक की बात है, पिछले मई में जब से कांग्रेस सत्ता में लौटी है, उसकी सरकार का केंद्र से कई बार टकराव हो चुका है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मोदी सरकार पर राजस्व के संबंध में कर्नाटक के खिलाफ भेदभाव करने और सूखे से प्रभावित किसानों की दुर्दशा के प्रति उदासीन रहने का आरोप लगाया है। हाल ही में सिद्धारमैया और शिवकुमार ने नई दिल्ली में जंतर मंतर पर एक विरोध बैठक आयोजित कर अपना मामला राष्ट्रीय राजधानी में उठाया। कुछ दिनों बाद केरल के मुख्यमंत्री ने अपने राज्य कीओर से इसी तरह के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और पंजाब में कुल मिलाकर 30 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। वे भारत की आबादी के पांचवें हिस्से से अधिक हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं लैंगिक समानता के मामले में केरल और तमिलनाडु देश के सबसे प्रगतिशील राज्यों में से हैं। तमिलनाडु एक औद्योगिक ऊर्जा केंद्र भी है। कर्नाटक लंबे समय से वैज्ञानिक शोध के मामले में अग्रणी रहा है और हाल के दशकों में सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी। जब हमारे ऊपर अंग्रेजों का शासन था, तब बंगाल के कुछ सबसे बहादुर लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया। आजादी के बाद से इस राज्य ने हमें कुछ बेहतरीन संगीतकार, फिल्म निर्माता और विद्वान दिए हैं। पंजाब के सिखों ने हमारी खाद्य सुरक्षा और हमारे सशस्त्र बलों में आनुपातिक रूप से भारत के किसी भी अन्य समुदाय की तुलना में कहीं अधिक योगदान किया है। पांच राज्य, जिनमें से प्रत्येक का हमारे देश के अतीत एवं वर्तमान में विविध और विशिष्ट योगदान है तथा प्रत्येक राज्य में भाजपा से भिन्न पार्टियों की सरकारें हैं, क्या राज्यों एवं संघ के बीच चल रहा मौजूदा विवाद वास्तव में हमारे देश के हित में है?

इससे पहले कि मैं उस प्रश्न का उत्तर दूं, हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की कुछ टिप्पणियों पर ध्यान दें, जिनमें उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को संसद में लगातार तीसरी बार बहुमत न मिले। फरवरी की शुरुआत में अपने राज्य के अंतरिम बजट के दौरान रेड्डी ने कहा कि अगर केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी अपने अस्तित्व के लिए दूसरों दलों पर निर्भर रहती है तो आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा दिए जाने की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने की बेहतर संभावना होगी। ममता बनर्जी, एमके स्टालिन या पिनरई विजयन के विपरीत आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कभी भी नरेंद्र मोदी, भाजपा या केंद्र सरकार के प्रति टकराव का रुख नहीं अपनाया। लेकिन अब वह भी गैर-भाजपा शासित राज्य सरकारों के प्रति मोदी सरकार के अहंकारी, दबंग और वास्तव में सत्तावादी रवैये को लेकर चिंतित दिख रहे हैं।

हालांकि यह कहना मुश्किल है कि क्या जगन रेड्डी की धीरे-धीरे आलोचनात्मक मुद्रा और अधिक उग्र विरोध में तब्दील हो जाएगी या क्या तेलंगाना के नए कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कर्नाटक में अपने पार्टी सहयोगियों के साथ मिलकर केंद्र से अधिक कर राजस्व और निष्पक्ष व्यवहार की मांग करेंगे। भले ही ये दोनों मुख्यमंत्री अलग रहें, लेकिन भाजपा के प्रभुत्व वाली केंद्र सरकार और गैर-भाजपा शासित राज्यों- पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और पंजाब के बीच चल रहा टकराव बेहद चिंताजनक है, जो मुझे पहले पूछे गए प्रश्न पर वापस लाता है।

इन टकरावों के कहां तक जाने की संभावना है? प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के कथनी और करनी को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा किसी भी आधार पर इन राज्यों की मांगों को स्वीकार नहीं करना चाहती। इनके तीन तरीके हैं, जिनसे यह अन्य दलों द्वारा शासित राज्यों के हितों और इच्छाओं के खिलाफ खुद को और भी मजबूती से स्थापित करना चाहती है।

पहला है, अपनी एड़ी-चोटी का जोर लगाना, और विपक्ष द्वारा नियंत्रित राज्यों को संसाधनों से वंचित करने और उनके स्वायत्त कामकाज पर और अधिक अंकुश लगाने के लिए उन शक्तियों का उपयोग करना, जिन्हें केंद्र ने कोविड महामारी के बाद से हड़प लिया था। दूसरा, नागरिकों से अगले विधानसभा चुनाव में अन्य पार्टियों के बजाय भाजपा को वोट देने के लिए कहना, इन राज्यों के निवासियों से वादा करना कि यदि वे 'डबल इंजन सरकार' चुनते हैं तो उनके साथ अधिक अनुकूल व्यवहार किया जाएगा। तीसरा है, सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग करके अन्य दलों के विधायकों को भाजपा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना।

ये तीनों तरीके अक्सर एक साथ काम करते हैं। भाजपा दो या दो से अधिक विपक्षी गठबंधन वाली राज्य सरकार को तोड़ने में सक्षम रही है, जैसा 2019 में कर्नाटक में, 2022 में महाराष्ट्र में, हाल ही में उसने बिहार में किया है। लेकिन जहां गैर-भाजपा पार्टी बहुमत में है, जैसे कि पश्चिम बंगाल, केरल या तमिलनाडु, वह सरकारगिराने में विफल रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल की वैध रूप से निर्वाचित सरकारों के खिलाफ केंद्र की स्पष्ट शत्रुता के परिणामस्वरूप कई बंगालियों, तमिलों और मलयाली लोगों में गहरी (और मेरे विचार से काफी हद तक उचित) नाराजगी है। गोदी मीडिया में भारत की संघीय व्यवस्था पर तनाव की कभी चर्चा नहीं होती। फिर भी विचारशील भारतीयों को पार्टी संबद्धता की परवाह किए बिना ऐसे मामलों पर अधिक ध्यान देना चाहिए, जो हमारे गणतंत्र के भविष्य के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है।

उच्च सदन के लिए घटिया चुनावी राजनीति

राजकुमार सिंह

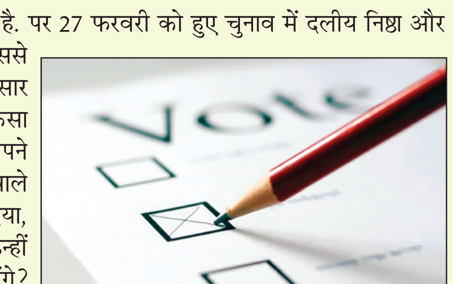

राज्यसभा को संसद का उच्च सदन कहा जाता है. पर 27 फरवरी को हुए चुनाव में दलीय निष्ठा और राजनीतिक नैतिकता की जैसी धज्जियां उड़ीं, उससे बड़प्पन का संदेश तो नहीं गया, उलटे लोकतंत्र शर्मसार ही हुआ। इस तरह चुने गए उच्च सदन के सांसद कैसा महसूस कर रहे होंगे- वे ही जानते होंगे, पर अपने माननीय विधायकों के ऐसे आचरण से उन्हें चुननेवाले निश्चय ही शर्मिंदा हुए होंगे। जिस पार्टी ने टिकट दिया, जिसके चुनाव चिन्ह पर मतदाताओं ने वोट दिया, उन्हीं के सगे नहीं हुए। तब फिर किसके सगे हुए या होंगे? बेशक ऐसा पहली बार नहीं हुआ, पर बार-बार होने से गलत काम सही तो साबित नहीं हो जाता। 2024 में राज्यसभा की 56 सीटें खाली हुईं। राज्यसभा सांसद चुनने के लिए संबंधित राज्य की विधानसभा के सदस्य ही मतदान करते हैं। इसलिए यह तस्वीर भी लगभग स्पष्ट होती है कि किस दल के कितने उम्मीदवार जीत सकते हैं। यही कारण रहा कि 41 राज्यसभा सीटों के लिए विभिन्न दलों के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित भी हुए। जहां थोड़े भी अतिरिक्त वोट थे और अन्य दलों के विधायकों में सेंधमारी से अतिरिक्त राज्यसभा सांसद जितवाने की संभावना थी- वहां खुला खेल हुआ। जो दल और उम्मीदवार जीता, उसे उस खेल में अंतरात्मा के दर्शन हुए, तो जिस दल और उम्मीदवार के हिस्से हार आई, उसे वह लोकतंत्र को खतरे में डालनेवाला खरीद-फरोख्त का खेल नजर आया पर क्या सैकड़ों विधायकों में से मुट्ठी भर द्वारा ही क्रॉस वोटिंग से राजनेताओं में अंतरात्मा दुर्लभ चीज ही साबित नहीं हुई? सिर्फ उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश की 15 सीटों के लिए ही मतदान की जरूरत पड़ी- और इन तीनों ही राज्यों में कुछ-कुछ माननीयों की अंतरात्मा ठीक मतदान के वक्त जाग गई। उत्तर प्रदेश से 10 राज्यसभा सीटें खाली हुईं। विधानसभा में मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से भाजपा के पास अपने सात उम्मीदवार जिताने के लिए पर्याप्त वोट के अलावा कुछ अतिरिक्त वोट थे। सपा के पास दो उम्मीदवार जिताने के लिए तो पर्याप्त वोट थे ही, कुछ अतिरिक्त वोट भी थे। सब कुछ राजनीतिक नैतिकता के दायरे में होता तो उत्तर प्रदेश से नौ ही राज्यसभा सदस्य चुने जाते और दसवीं सीट खाली रह जाती। अतिरिक्त वोटों के लालच ने ही दोनों दलों को अतिरिक्त उम्मीदवार उतारने को प्रेरित किया- और उस खेल को भी, जिसमें कुछ माननीयों की अंतरात्मा ऐसी जागी कि फिर उसे दलीय निष्ठा से ले कर नैतिकता तक कुछ भी नजर नहीं आया। खेल कांग्रेस शासित कर्नाटक में भी हुआ। वहां चार सीटें खाली हुई थीं, लेकिन अतिरिक्त वोटों के लालच से पांच उम्मीदवार उतार दिए गए। कांग्रेस ने तीन उम्मीदवार उतारे, जबकि भाजपा और जनता दल सेक्युलर गठबंधन ने दो। अपना दूसरा उम्मीदवार जितवाने के लिए गठबंधन को पांच अतिरिक्त वोटों की जरूरत थी, पर भाजपा विधायक सोम शेखर रेड्डी ने क्रॉस वोटिंग कर कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में वोट दे दिया। सबसे बड़ा खेल छोटे से पर्वतीय राज्य हिमाचल प्रदेश में हुआ, जहां जीत के लिए जरूरी से भी ज्यादा वोट होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी हार गए और भाजपा के हर्ष महाजन जीत गए।

जाह्नवी ने स्टैंड अप कॉमेडी में किया डेब्यू

लीप, लाफ एंड लर्न के माध्यम से एचआईवी को लेकर फैलाई जागरूकता

हर साल, दुनिया 4 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय एचपीवी जागरूकता दिवस मनाया जाता है । अभिनेत्री जाह्नवी कपूर, हिंदी सिनेमा मेंसबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की विचारोत्तेजक पहल, 'आईपीलेजटूप्रीवेंट' के सहयोग से ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) के बारे में जागरूकता फैलाने में सबसे आगे रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय एचपीवी जागरूकता दिवस 2024 से पहले, जाह्नवी ने बीमारी की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए सबसे अनोखे तरीकों में से एक को अपनाकर सोशल मीडिया पर बवाल पैदा कर दिया । इस साल के एक अतिरिक्त दिन – लीप डे – का लाभ उठाते हुए जाह्नवी अपने पहले स्टैंड-अप स्पेशल लीप, लाफ एंड लर्न के साथ हंसी के माध्यम से दर्शकों को एचपीवी के कारणों और जोखिमों के बारे में शिक्षित करती हैं।

मनोरंजक टीज़र की एक सीरीज से जान्हवी कपूर का पहला स्टैंड-अप स्पेशल लॉन्च हुआ, जिसने लीप, लाफ़ एंड लर्न के बारे में प्रशंसकों की जिज्ञासा कोबढ़ाया । दर्शकों को गुदगुदाने के लिए मंच पर उतरते समय अभिनेत्री स्वाभाविक लगता है, लेकिन एक नेक काम के लिए। जागरूकता बढ़ाने के साथ हास्य का संचार करते हुए, महत्वाकांक्षी हास्य कलाकार जाह्नवी कपूर अपनी त्वरित बुद्धि से मेहमानों को हंसाती हैं और उन्हें एचपीवी संकुचन और निवारक उपायों के बारे में ज्ञान की कमी पर विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं।

अपने स्टैंड-अप स्पेशल के दौरान, जाह्नवी ने दर्शकों से एचआईवी की रोकथाम के बारे में सूचित निर्णय लेने का आग्रह किया । वह एचपीवी और कैंसर की खतरनाक जोड़ी पर कुछ प्रकाश डालती हैं । जाह्नवी कहती हैं, सरवाइकल, योनि, गुदा और मुंह के कैंसर कुछ ऐसे कैंसर हैं जो एचपीवी के कारण आपके शरीर में विकसित हो सकते हैं ।

अभिनेत्री ने एक प्रचलित मिथक का भी खंडन किया- एचपीवी केवल महिलाओं को प्रभावित करता है। आप पूछ सकते हैं कि खुद को एचआईवी से संक्रमित होने से कैसे बचाएं ? खैर, इसका उत्तर उतना ही सरल है जितना शुरुआत में किसी डॉक्टर से परामर्श लेना । इसके अलावा, वह 9 से 26 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के लिए एचपीवी टीकाकरण प्राप्त करने के महत्व पर जोर देती है। स्टैंड-अप विशेष पर पर्दा डालते हुए, जाह्नवी ने बदलाव को प्रेरित किया और दर्शकों को 'एचपीवी को रोकने की प्रतिज्ञा' के लिए प्रेरित किया ।

लीप, लाफ एंड लर्न के साथ बदलाव लाने पर अपने विचारव्यक्त करते हुए, जान्हवी कपूर ने कहा, एक अभिनेता के रूप में,मेरा मानना है कि समाज में वास्तविक बदलावलाने के लिए IPledgeToPrevent जैसी पहल कासमर्थन करना अनिवार्य है। एचपीवी एक प्रमुख स्वास्थ्य चिंता का विषय है जिससेसर्वाइकल कैंसर सहित जीवन-घातक परिणाम हो सकते हैं। फिर भी, एचपीवी से जुड़े जोखिमों के बारे में जागरूकता की कमी है।उस धारणा को चुनौती देने के लिए, हम अपने पहलेस्टैंड-अप स्पेशल के साथ हंसी के माध्यम से एचपीवी जागरूकता फैलाने का विचार लेकरआए। लीप, लाफ़ एंड लर्न के साथ,हमारा उद्देश्य व्यक्तियों को इस लीप वर्ष केएक अतिरिक्त दिन को इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करना है किउनके स्वास्थ्य के लिए क्या महत्वपूर्ण है – जैसे एचपीवी जागरूकता। अपने प्रशंसकोंके समर्थन से, मैं रोकथाम करनेकी प्रतिज्ञा करता हूं, क्योंकि ज्ञानएचपीवी के खिलाफ हमारी सबसे अच्छी सुरक्षा है। मुझे यह भी उम्मीद है कि वे भी मेरेसाथ ए च पी वी जागरूकता की दिशा में छलांग लगाएंगे।

हेमा से लेकर पवन और निरहुआ तक ये सितारे लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 195 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इनमें चार नाम ऐसे हैं, जो भोजपुरी स्टार हैं। वहीं, बॉलीवुड से एक बड़ा नाम हेमा मालिनी का है, जो मथुरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। पश्चिम बंगाल की हुगली सीट से लॉकेट चटर्जी भी चुनाव लड़ेंगी। केरल की त्रिशूर सीट से गायक और अभिनेता सुरेश गोपी चुनाव लड़ेंगे।

पवन सिंह- पवन सिंह, बंगाल की आसनसोल सीट से भाजपा उम्मीदवार बने हैं। यहां से अभिनेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा तृणमूल कांग्रेस से सांसद हैं। 2019 में यहां से गायक और पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो भाजपा के टिकट पर जीते थे। बाद में सुप्रियो इस्तीफा देकर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। ममता बनर्जी ने उन्हें विधानसभा चुनाव लड़वाया। सुप्रियो की छोड़ी सीट पर बाद में शत्रुघ्न सिन्हा लोकसभा पहुंचे थे। 2021 में हुए इस उपचुनाव में शत्रुघ्न सिन्हा के सामने पवन सिंह ही मैदान में थे।

रवि किशन-2019 के लोकसभा चुनाव में रवि किशन गोरखपुर सीट से ही जीते थे। पार्टी ने एक बार फिर उन्हें टिकट दिया है। अभिनेता से राजनेता बने आज की तारीख में रवि किशन को भोजपुरी सिनेमा का अमिताभ बच्चन कहा जाता है। रवि किशन ने सीरियल %हेलो इंस्पेक्टर% से इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। इसके बाद सलमान खान की फिल्म %तेरे नाम% ने उनकी किस्मत पलट दी थी।

मनोज तिवारी-2014 और 2019 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव जीत चुके हैं। 2014 में तिवारी ने आम आदमी पार्टी के आनंद कुमार को हराया था। 2019 में वे यहां से दूसरी बार जीते। इस बार चर्चा थी कि उन्हें बिहार की किसी सीट से चुनाव लड़वाया जा सकता है, हालांकि अब वे तीसरी बार उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से ही चुनाव मैदान में होंगे।

दिनेश लाल यादव निरहुआ-- निरहुआ 2019 में आजमगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। तब उन्हें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से हार का सामना करना पड़ा था। 2022 के चुनाव में अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव लड़ा और लोकसभा सीट छोड़ दी। उनके इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट पर उपचुनाव हुआ और निरहुआ ने अखिलेश के भाई और सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव को हरा दिया।

हेमा मालिनी- वरिष्ठ अभिनेत्री हेमा मालिनी उत्तर प्रदेश की मथुरा लोकसभा चुनाव से तीसरी बार मैदान में होंगी। आज हेमा मालिनी भले ही फिल्मी दुनिया को छोड़ राजनीति में काफी सक्रिय हैं, लेकिन अभिनेत्री के रूप में हेमा मालिनी को दर्शकों ने पसंद किया गया है। हेमा मालिनी को पहली सफलता फिल्म जॉनी मेरा नाम से हासिल हुई थी। बाद में हेमा मालिनी ने छोटे पर्दे की ओर भी रूख किया और धारावाहिक नुपूर का निर्देशन भी किया था।

लॉकेट चटर्जी- कई बांग्ला फिल्मों में नजर आ चुकीं लॉकेट चटर्जी पहले तृणमूल कांग्रेस में थीं। वे 2015 में भाजपा शामिल हुईं। 2016 में उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। 2019 में वे हुगली से सांसद बनीं। 2021 में उन्होंने फिर विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लॉकेट चटर्जी राजनीति के अलावा बंगाली फिल्म इंडस्ट्री का बहुत बड़ा नाम है। लॉकेट चटर्जी ने एकतो चोहा फिल्म से बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था।

सुरेश गोपी- मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार और भाजपा नेता सुरेश गोपी 2016 में राज्यसभा मनोनीत सदस्य बने। इसी साल में वे भाजपा में शामिल हो गए। 2019 में उन्होंने केरल की त्रिशूर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब वे इसी सीट से दोबारा चुनाव लड़ेंगे। सुरेश गोपी मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक है। उन्होंने अपने अभिनय करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है।

अनंत और राधिका के रॉयल प्री-वेडिंग फंक्शन में शामिल होने जामनगर पहुंचे कई बॉलीवुड सेलेब्स

एशिया के सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग

फंक्शन जामनगर के रिलायंस ग्रीन्स में होना है । अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी 12 जुलाई 2024 को होने जा रही है, लेकिन इसका प्री-वेडिंग इवेंट शुक्रवार 1 मार्च से जामनगर में शुरू हो गया है जो 3 मार्च तक चलेगा । मुकेश अंबानी अपने छोटे बेटे अनंत की शादी में एक हजार करोड़ रुपये खर्च करने वाले हैं । प्री-वेडिंग फंक्शन में शामिल होने के लिए देश-विदेश के फिल्म, खेल और मनोरंजन व बिजनेस जगत की दिग्गज हस्तियां गुजरात के जामनगर शहर में पहुँच रही हैं । इस फंक्शन में बड़े बिजनेसमैन से लेकर स्पोर्ट्स प्लेयर और फिल्मी सितारे भी शामिल हो रहे हैं । प्री-वेडिंग फंक्शन में बिल गेट्स और फ़ेसबुक फ़ाउंडर मार्क जुकरबर्ग जैसे इंटरनेशनल सेलेब्स भी शामिल होने इंडिया आ चुके हैं । जबकि कतर पीएम से लेकर गूगल सीईओ सुंदर पिचाई जैसी तमाम हस्तियां पहुंचने वाली हैं ।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन में शामिल होने के लिए अब तक बॉलीवुड सेलेब्स में से आमिर खान, सलमान खान, अजय देवगन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, सैफ़ अली खान, वरुण धवन, माधुरी दीक्षित नेने, करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, श्रद्धा कपूर, सिद्धार्थ मल्होत्रा, कियारा आडवाणी, अनन्या पांडे, आदित्य रॉय कपूर, सनी लियोनी, अनु कपूर, अनिल कपूर, सोनम कपूर, जावेद जाफ़री, दिशा पटानी, नव्या नवेली नंदा, विधु विनोद चोपड़ा, सुनील शेट्टी, सारा अली खान, सोनाली बेंद्रे, कुमार मंगत, वेदांग रैना, रितेश देशमुख, ख़ुशी कपूर, महेंद्र सिंह धोनी समेत कई बड़े सितारें पहुँच चुके हैं ।

उभरते कलाकारों के लिए यशराज फिल्म्स ने लॉन्च किया वायआरएफ कास्टिंग ऐप

भारत की प्रमुख मीडिया और मनोरंजन कंपनी, यशराज फिल्म्स ने अपना वायआरएफ कास्टिंग ऐप लॉन्च किया है, जिसका उपयोग दुनिया भर के अभिनय के इच्छुक उम्मीदवार कास्टिंग कॉल के बारे में जानकारी प्राप्त करने और इस ऐप के माध्यम से अपने ऑडिशन सबमिट करने के लिए कर सकते हैं । वाईआरएफ कास्टिंग ऐप जो अभी लाइव है, उम्मीदवारों को ऐप में ही अपना प्रोफ़ाइल विवरण पंजीकृत करने में सक्षम करेगा, और जल्द ही थिएट्रिकल फिल्मों और स्ट्रीमिंग परियोजनाओं से संबंधित सभी आगामी ऑडिशन के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होगा, जिसे यश राज फिल्म्स हरी झंडी देगा। ऐप निकट भविष्य में इन परियोजनाओं के लिए सीधे वाईआरएफ को अपने ऑडिशन जमा करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक ऑनलाइन गंतव्य तैयार करेगा। कंपनी का मानना है कि यह निर्णय फर्जी वाईआरएफ कास्टिंग खातों के कारण होने वाली समस्याओं से काफी हद तक निपटेगा जो लोगों को ऑडिशन के बारे में गुमराह करते हैं और वाईआरएफ की त्रुटिहीन बाजार प्रतिष्ठा के लिए खतरा हैं। शानू शर्मा, जो वायईरएफ प्रोजेक्ट्स में लीड के रूप में लॉन्च किए जाने वाले लोगों को चुनने और तैयार करने के साथ-साथ अन्य प्राथमिक या माध्यमिक भूमिकाओं के लिए अभिनेताओं को अंतिम रूप देने की प्रभारी हैं, व्यक्तिगत रूप से इस ऐप के माध्यम से आने वाले सभी ऑडिशन की निगरानी करेंगी। शानू कहती हैं, वाईआरएफ कास्टिंग ऐप महत्वाकांक्षी अभिनेताओं को कंपनी द्वारा बनाई जा रही परियोजनाओं के लिए सीधे वाईआरएफ तक पहुंचने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। हमें यकीन है कि दुनिया भर में ऐसे अनगिनत प्रतिभाशाली कलाकार हैं जो खोजे जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह उनके जीवन भर का मौका हो सकता है! पहली बार, कोई महत्वाकांक्षी कलाकार सीधे किसी प्रोडक्शन हाउस तक पहुंच सकता है। यह एक सुरक्षित स्थान है. उन्हें अपने सपनों को हासिल करने के लिए किसी और पर निर्भर रहने की ज़रूरत नहीं है । वह आगे कहती हैं, यह कदम सभी बाधाओं को तोड़ देता है और वाईआरएफ के लिए एक कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में, मैं न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में रहने वाली कई अविश्वसनीय प्रतिभाओं के संपर्क में आने के लिए बेहद उत्साहित हूं!

yrf CASTING

सारा की ऐ वतन मेरे वतन का ट्रेलर 4 मार्च को होगा रिलीज

प्राइम वीडियो ने बेहद टैलेंटेड फिल्म मेकर करण जौहर के साथ, आज उनकी आने वाली अमेजन ऑर्जिनल की मच अवेटेड ऐ वतन मेरे वतन का बेहद दमदार टीजर रिलीज कर दिया है। ऐसे में अब इस ट्रेलर के लिए दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

भारत के कुछ अनजाने हीरो और उनकी अनजानी कहानियों को समर्पित ,करण जौहर दर्शकों के सामने उषा को कहानी पेश की है, एक सिर्फ 22 साल की बहादुर लड़की, जिसने 1942 के क्विट इंडिया मूवमेंट के दौरान देश के लिए अनोखी बहादुरी और गहरी देश भक्ति का प्रदर्शन किया, एक गुप्त रेडियो का इस्तेमाल करके देश को ब्रिटिश राज के खिलाफ एक करने की कोशिश की थी ।

अब उनकी प्रेरणा दायक कहानी ने फिल्म मेकर को राजी से सहमत सैयद की याद दिलाई है, जो एक पाकिस्तानी फौज के परिवार में शादी किया था, उन पर जासूसी करने के लिए, और शेरशाह से क्कक्कष्ट कैप्टन विक्रम बत्रा जिन्होंने अपने दुश्मनों के दिलों में डर पैदा कर दिया था, इतना ही नहीं उन्होंने कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति भी दी थी।

तो बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक थ्रिलर-ड्रामा ऐ वतन मेरे वतन में उषा से मिलने के लिए तैयार हो जाइए, जो एक युवा लड़की की असाधारण यात्रा की खोज करती है जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम की दिशा बदल दी।

कन्नन अय्यर द्वारा निर्देशित, ऐ वतन मेरे वतन को दराब फारूकी के साथ अय्यर ने लिखा हैं। फिल्म में सारा अली खान मुख्य भूमिका में हैं साथ ही सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव, एलेक्स ओ%नील और आनंद तिवारी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इसके साथ ही इमरान हाशमी एक गेस्ट अपीयरेंस में हैं। करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा द्वारा निर्मित धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की ऐ वतन मेरे वतन का प्रीमियर 21 मार्च को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होने वाला है।

शाहरुख 2024 के 100 सबसे पावरफ़ुल भारतीयों की टॉप 30 में शामिल

साल 2024 की 100 सबसे शक्तिशाली भारतीयों को लिस्ट से पर्दा उठ गया है, और इसमें एक बार फिर शाहरुख खान के बेजोड़ इनफ्लुएंस को हाईलाइट किया है, जो टॉप 30 रैंकिंग में एक मात्र एक्टर या फिल्म पर्सनालिटी के रूप में नज़र आ रहे हैं। सिर्फ स्टार पावर से परे जाते हुए, शाहरुख खान ने दिल और बॉक्स ऑफिस दोनों पर ना मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनका 2024 में 100 सबसे शक्तिशाली भारतीयों की लिस्ट में 27वें स्थान पर होना उनके अनमैचेबले इन्फ्लुएंस और बेजोड़ प्रभाव का सबूत है। शाहरुख खान का सफर, एक बॉलीवुड सेंसेशन से लेकर ग्लोबल आइकन तक, असाधारण रहा है। सही मायने में किंग खान कहलाये जाने वाले, उन्हें कई दशकों तक एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर राज किया है, अपनी मैग्नेटिक प्रजेंस और बेजोड़ टैलेंट के लिए जरिए दुनिया भर के दर्शकों को अपना बनाया है। उनकी हाल ही की सफलताएं जैसे कि पठान, जवान और डंकी ने ना सिर्फ उनकी स्टार पावर को फिर से साबित किया है बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को भी नई जान दी है, लोगों को दोबारा थिएटरों में उनकी सिनेमाई पेशकशों को एन्जॉय करने के लिए अपनी तरफ खींचा है।

एक लिस्ट जो खास करके पॉलीटिकल ओर बिजनेस पर्सनालिटी से भरी हुई है, उसमें एक्टर के रूप में सिर्फ शाहरुख खान का शामिल होना उनकी बेजोड़ उपलब्धियों और दुनिया भर में उनकी प्रशंसा का सबूत है। उनकी बेहद शानदार फैन बेस, कॉन्टिनेंट और कल्चर तक फैला उनका विशाल फैन बेस, उनकी यूनिवर्सल अपील और बेजोड़ करिज्मा का सबूत है। हर मिलने वाले उपलब्धि के साथ, शाहरुख खान अपने आप को देश के सबसे पसंदीदा पर्सनेलिटीज में से एक के रूप में और मजबूती से स्थापित कर रहे हैं। यह कहना गलत नहीं होगा की उनका प्रभाव किसी भी बॉर्डर और जनरेशन से परे है। जैसे-जैसे वह अपने चार्म से ऑडियंस को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं, ऐसे में 2024 के सबसे ताकतवर भारतीयों में उनका नाम होना मनोरंजन की दुनिया में उनके खास योगदान को सही मान्यता देता है।

सुपरनेचुरल थ्रिलर फ़िल्म ओडेला 2 में तमन्ना भाटिया को मिला अहम रोल

तमन्ना भाटिया ओडेला 2 में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं । आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर का टाइटल आज फिल्म के पोस्टर के साथ सामने आया। तमन्ना भाटिया को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखा जाएगा, जो दर्शकों के लिए एक मनोरंजक सवारी का वादा करता है । एक्ट्रेस इस सुपरनेचुरल थ्रिलर की शूटिंग दिव्य नगरी काशी में शुरू करेंगी । डायरेक्टर अशोक तेजा द्वारा निर्देशित, ओडेला 2 संपत नंदी और डी. मधु द्वारा निर्मित होगी । जैसा कि घोषणा ने पहले से ही नेटिज़न्स के बीच उत्साह बढ़ा दिया है, दर्शकों को इस फिल्म के डिटेल्स का इंतजार है ।

लस्ट स्टोरीज़ 2, प्लान ए प्लान बी और कई प्रोजेक्ट्स के साथ, तमन्ना ने खुद को एक अभिनेत्री के रूप में सिनेमा के हर पहलू में खोजा है। अब, ओडेला 2 सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है और उनके फैंस उन्हें सुपरनैचुरल जॉनर में देखने के लिए बेकरार हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

प्रमुख समाचार

शाह पांच को महाराष्ट्र में भाजपा की चुनावी बैठकों में हिस्सा लेंगे

नागपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित चुनाव संबंधी बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए पांच मार्च को महाराष्ट्र के अकोला, जलगांव और छत्रपति संभाजीनगर जाएंगे। पार्टी के प्रदेश इकाई के प्रमुख ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस साल अप्रैल या मई में लोकसभा चुनाव होने की संभावना है। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा कि शाह मंगलवार सुबह 11 बजे अकोला में भाजपा की चुनाव प्रबंधन समिति और उसकी कोर समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें चंद्रपुर, बुलढाणा, अकोला, यवतमाल, वर्धा और अमरावती लोकसभा क्षेत्रों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि अकोला के बाद शाह जलगांव जाएंगे, जहां वह अपराह्न दो बजे युवाओं के सम्मेलन 'महा युवा सम्मेलन' को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद पूर्व भाजपा प्रमुख शाम छह बजे छत्रपति संभाजीनगर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे।

अयोग्य ठहराए गए विधायक ने सुक्खू पर साधा निशाना

शिमला। हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों में पार्टी की शर्मनाक हार की पटकथा लिखने वाले छह कांग्रेस विद्रोहियों में से एक, हिमाचल प्रदेश के अयोग्य विधायक राजिंदर राणा ने अभिषेक मनु सिंघवी की उम्मीदवारी को अपने विश्वासघात के लिए जिम्मेदार ठहराया। पहाड़ी राज्य से स्टार वकील को संसद के उच्च सदन में भेजने के कांग्रेस नेतृत्व के प्रयास पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि विद्रोहियों ने हिमाचल प्रदेश के सम्मान को बनाए रखने के लिए क्रॉस वोटिंग की। अपने अगले कदम का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी अयोग्यता के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। राजिंदर राणा ने कहा कि हमने प्रदेश और जनता के मान-सम्मान को बरकरार रखने यह निर्णय लिया है। हिमाचल प्रदेश एक देवभूमि है। क्या कांग्रेस पार्टी के पास उन कार्यकर्ताओं में से कोई उम्मीदवार नहीं था जिन्होंने (हिमाचल में) पार्टी को खड़ा करने में मदद की, जो राज्यसभा में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर सके? उन्होंने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार नहीं, ये सिर्फ सुखविंदर सुक्खू के दोस्तों की सरकार है।

विक्रमादित्य सिंह ने फिर बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

शिमला। हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने अपने फेसबुक बायो से अपना आधिकारिक पदनाम हटाने के बाद कांग्रेस नेतृत्व को फिर से परेशानी में डाल दिया है। पूर्व में लोक निर्माण मंत्री और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में पहचाने जाने वाले उनके बायो में अब केवल हिमाचल का सेवक लिखा हुआ है। राज्यसभा चुनाव में हार के बाद हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार लगभग गिर गई और तब से वह संघर्ष की स्थिति में है। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह ने कल नई दिल्ली रवाना होने से पहले अन्य बागी कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को कहा कि मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं फेसबुक, ट्विटर नहीं देखता, मुझे नहीं पता विक्रमादित्य ने क्या हटाया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी कमजोर नहीं है, प्रदेश अध्यक्ष बेहतर बता सकती हैं, पर जनता कांग्रेस के साथ है।

गौतम गंभीर ने छोड़ी राजनीति नहीं लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

नईदिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर और पूर्वी दिल्ली से भाजपा के सांसद गौतम गंभीर ने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। गौतम गंभीर ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा से कहा है कि, उन्हें सियासी दायित्व से मुक्त कर दिया जाए। अब ये साफ हो गया है कि गौतम गंभीर लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। गौतम गंभीर फिलहाल पूर्वी दिल्ली से सांसद हैं। गौतम गंभीर 2019 में लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। वर्तमान में वो आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के मेंटर हैं। गौतम गंभीर ने ट्वीट कर कहा, मैंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से अनुरोध किया है, कि मुझे मेरे राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करें ताकि मैं अपनी आगामी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। गौतम गंभीर ने आगे कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। इसके साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे लोगों की सेवा करने का अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद। जय हिन्द!

पांच बार के विधायक अरबिंद ने बीजद से इस्तीफा दिया

भुवनेश्वर। पांच बार के विधायक अरविंद धाली ने शनिवार को सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) से इस्तीफा दे दिया और कहा कि वह विपक्षी भाजपा में शामिल होंगे। खोरधा जिले के जयदेव क्षेत्र से विधायक धाली ने कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा बीजद अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को ईमेल के जरिए भेज दिया है। हालाँकि, उन्होंने अपने इस्तीफे का कोई कारण नहीं बताया। धाली पहली बार 1992 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर उपचुनाव में मलकानगिरी सीट से विधानसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने लगातार दो बार यह सीट बरकरार रखी। इसके बाद, वह बीजद में शामिल हो गए और 2009 में जयदेव निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने इस सीट से 2019 का चुनाव भी जीता था। वह पटनायक सरकार में परिवहन और निगम मंत्री थे। पिछले महीने बीजद से निष्कासित विधायक प्रदीप पाणिग्राही और प्रशांत जगदेव भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

टीएमसी का अर्थ है- तू, मैं और करप्शन, संदेशखाली पर बोले प्रधानमंत्री

बंगाल में अपराधी तय करते हैं कि उन्हें कब सरेंडर करना है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस अत्याचार, वंशवाद की राजनीति, विश्वासघात का पर्याय है। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार के कामकाज के तरीके से बंगाल के लोग निराश हैं। उन्होंने कहा कि यहां लोगों की संख्या को देखकर मुझे यह कहने का आत्मविश्वास मिल रहा है कि 'राजग सरकार, 400 पार'। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी एम्स-कल्याणी से खुश नहीं, पर्यावरण मंजूरी को मुद्दा बना रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि टीएमसी ने 'मां माटी मानुष' का नारा दिया लेकिन उसके राज में माताएं-बहनें रो रही हैं।

मोदी ने कहा कि यह पश्चिम बंगाल में मेरा दूसरा दिन है। पिछले 2 दिनों में मुझे बंगाल के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने का अवसर मिला। इससे निवेश आएगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और पड़ोसी क्षेत्रों पर इसका प्रभाव पड़ेगा।हालाँकि, हमें यह स्वीकार करना होगा कि टीएमसी सरकार ने बंगाल के लोगों को निराश किया है। वे लोगों के भरोसे को धोखा देते रहते हैं। टीएमसी बंगाल के विकास पर भ्रष्टाचार और उनके परिवार को प्राथमिकता देती है।

उन्होंने कहा कि बंगाल में जिस तरह टीएमसी की सरकार चल रही है उसने बंगाल को निराश कर दिया है। पश्चिम बंगाल की जनता ने बहुत उम्मीदों के साथ टीएमसी को बार-बार इतना बड़ा जनादेश दिया है, लेकिन टीएमसी अत्याचार और विश्वासघात का दूसरा नाम बन गई है। टीएमसी के लिए बंगाल का विकास नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद ही प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार रुपये की चिकित्सा सहायता देती है। गरीबों को 5 लाख, लेकिन टीएमसी सरकार इस केंद्रीय पहल का लाभ बंगाल के लोगों को नहीं मिलने देती। हमने पश्चिम बंगाल की चिकित्सा स्थिति में सुधार के लिए प्रयास किए। 2014 से पहले, बंगाल में केवल 14 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। पिछले 10 वर्षों में यह संख्या लगभग दोगुनी होकर 26 हो गई है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि मां, माटी और मानुष सभी टीएमसी के कुशासन में रो रहे हैं। संदेशखाली की बहनें इंसाफ की गुहार लगाती रही, लेकिन टीएमसी सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। बंगाल में स्थिति ये है कि यहां

पुलिस नहीं, बल्कि अपराधी तय करते हैं कि उन्हें कब सरेंडर करना है, कब गिरफ्तार करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तो चाहती ही नहीं थी कि संदेशखाली का गुनहगार गिरफ्तार हो। लेकिन जब ये बंगाल की नारी शक्ति दुर्गा बनकर खड़ी हो गई और भाजपा के कार्यकर्ता उनके साथ खड़े हो गए, तब मजबूरन इस राज्य सरकार को झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि टीएमसी ने बंगाल की छवि खराब की है। यह हर योजना को घोटाले में बदल देता है। ये हमारी योजनाओं पर स्टीकर लगा देते हैं और उसे अपना बताते हैं। वे गरीबों से छीनने से पहले नहीं हिचकिचाते। आने वाले वर्षों में भाजपा निवेश और रोजगार के असंख्य अवसर पैदा करेगी। इसके लिए आपको लोकसभा चुनाव में अपना योगदान अवश्य अंकित करना होगा। बंगाल को सभी 42 सीटों पर खिलेगा कमल!

पीएम ने कृष्णानगर में 15,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में 15,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पश्चिम बंगाल को विकसित राज्य बनाने के लिए हम एक और कदम उठा रहे हैं। आज मुझे 15,000 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास का सौभाग्य मिला है।बिजली, सड़क, रेल की बेहतर सुविधाएं आपके जीवन को आसान बनाएंगी। इन विकास कार्यों से पश्चिम बंगाल के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृष्णनगर में रोड शो किया।

पश्चिम बंगाल हमारे देश के लिए पूर्वी द्वार का काम करता है। पूरब में इस द्वार से प्रगति की अपार संभावनाओं को प्रवेश हो सकता है। इसलिए हमारी सरकार पश्चिम बंगाल में रोडवेज, रेलवेज, एयरवेज, मोटरवेज, आधुनिक कनेक्टिविटी के लिए काम कर रही है। आधुनिक दौर में विकास की गाड़ी को रफ्तार देने के लिए बिजली बहुत बड़ी जरूरत होती है। किसी भी राज्य की इंडस्ट्री हो, आधुनिक सुविधाएं हों या आधुनिक टेक्नोलॉजी से जुड़ी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी हो, बिजली की किल्लत में कोई भी राज्य या देश विकास नहीं कर सकता है। इसलिए, हमारा प्रयास है कि पश्चिम बंगाल अपनी वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को लेकर आत्मनिर्भर बने। आज दामोदर घाटी निगम के तहत रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन फेज-2 परियोजना का शिलान्यास इसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृष्णानगर में रोड शो किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इंफ्रास्ट्रक्चर के दृष्टिकोण से रेल पश्चिम बंगाल के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा रहा है लेकिन इतिहास की जो बढ़त बंगाल को हासिल थी, आजादी के बाद उसे सही ढंग से आगे नहीं बढ़ाया गया। यही कारण है कि तमाम संभावनाओं के बावजूद बंगाल पीछे छूटता गया। पिछले 10 वर्षों में हमने उस खाई को पाटने के लिए यहां के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने 940 करोड़ रुपये के चार रेल प्रोजेक्ट्स को भी देश को समर्पित किया। इनके तहत दामोदर-मोहिशिला लाइन का दोहरीकरण किया गया है। बाजारसाउ-अजीमगंज रेल लाइन का भी दोहरीकरण किया गया है। वहीं अजीमगंज और मुर्शिदाबाद रूट पर नई लाइन बिछाई गई है। पीएम मोदी शनिवार को बंगाल में नेशनल हाइवे 12 के चार लेन के 100 किलोमीटर लंबे फरक्का-रानीगंज सेक्शन का उद्घाटन किया। इस राजमार्ग के निर्माण में 1,986 करोड़ रुपये की लागत आई है।

बंगाल की टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा %यहां जिस तरह टीएमसी की राज्य सरकार चल रही है, उसने बंगाल को निराश कर दिया है। पश्चिम बंगाल की जनता ने बहुत उम्मीदों के साथ टीएमसी को बार-बार इतना बड़ा जनादेश दिया लेकिन टीएमसी अत्याचार और विश्वासघात का दूसरा नाम बन गई है। टीएमसी के लिए बंगाल का विकास नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद ही प्राथमिकता है।

सरकार मेक इन इंडिया के सपने को साकार करने में विफल रही: खरगे

■ विनिर्माण के क्षेत्र में सरकार की निष्क्रियता देखी गई

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मेक इन इंडिया के सपने को साकार करने में विफल रही। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े कुछ आंकड़ों का उल्लेख करते हुए यह दावा भी किया कि सरकार की तरफ से पूरी तरह निष्क्रियता देखी गई है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार मेक इन इंडिया को साकार करने में विफल! विनिर्माण क्षेत्र में सरकार के कदमों को लेकर जोर-शोर से ढोल पीटने का शोर भी निष्क्रियता के कारण दब गया है। उन्होंने सवाल किया, पिछले दशक में भारत की जीडीपी में विनिर्माण द्वारा जोड़ा गया मूल्य 16 प्रतिशत से घटकर 13 प्रतिशत क्यों हो गया है?

मोदी सरकार में औसत विनिर्माण विकास में गिरावट क्यों आई है? खरगे के मुताबिक, कांग्रेस-संप्रग के दौरान औसत विनिर्माण विकास दर 7.85 प्रतिशत थी, जो घटकर लगभग 6 प्रतिशत ही रह गई। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने 2022 तक विनिर्माण क्षेत्र में 10 करोड़ नौकरियों का वादा किया था। वे नौकरियां कहां हैं? पिछले 10 वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में कार्यबल में गिरावट क्यों आई है? कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया, क्या यह सच नहीं है कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का अधिकांश हिस्सा शुरू होने में विफल रहा? प्रमुख क्षेत्रों के लिए धन का बड़े पैमाने पर कम उपयोग क्यों किया गया? उन्होंने दावा किया कि कपड़ा क्षेत्र में पीएलआई के 96 प्रतिशत कोष का इस्तेमाल नहीं किया गया तथा नवीकरणीय क्षेत्र में पीएलआई के लिए शून्य निधि प्रदान की गई।

उन्होंने सवाल किया, भारत के निर्यात में प्रतिशत वृद्धि जो कांग्रेस-संप्रग के दौरान 549 प्रतिशत थी, मोदी सरकार के दौरान घटकर केवल 90 प्रतिशत कैसे रह गई? उन्होंने यह भी प्रश्न किया, क्या यह भाजपा का नकली राष्ट्रवाद नहीं है जिसके कारण

गलवान में 20 बहादुरों के बलिदान के बाद भी चीनी आयात में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई? खरगे ने कहा, भारत को मजबूत और समावेशी रोजगार सृजन की जरूरत है।नौकरी सृजनकर्ताओं की क्षमताओं को बढ़ावा देने और उच्च तकनीक नेटवर्क को जोड़कर उत्पादन को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। विनिर्माण में मूल्यवर्धन और निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अतीत में केवल कांग्रेस पार्टी ने ही ऐसा किया है। अब केवल कांग्रेस पार्टी ही ऐसा करने में सक्षम है।

खड़गे और जयराम रमेश को गडकरी ने भेजा कानूनी नोटिस

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इंडिया टुडे के सहयोगी चैनल लल्लनटॉप को दिए एक साक्षात्कार से 19 सेकंड की वीडियो क्लिप साझा करने के लिए कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे और जयराम रमेश को कानूनी नोटिस भेजा। कांग्रेस नेताओं पर भाजपा नेता के लिए भ्रम, सनसनी और बदनामी पैदा करने और पार्टी के भीतर दरार पैदा करने के इरादे से गडकरी के साक्षात्कार के संदर्भ और अर्थ को छिपाने का आरोप लगाया गया है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि उपरोक्त वीडियो को अपलोड करके गडकरी के साक्षात्कार को तोड़-मरोड़कर, तोड़-मरोड़कर आपकी (कांग्रेस) माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स वॉल पर प्रस्तुत किया गया है, जो प्रासंगिक अर्थ से रहित और रहित है।

खेल

प्रमुख समाचार

आयरलैंड ने पहली टेस्ट जीत के साथ रचा इतिहास

अबू धामी। आयरलैंड ने अबू धामी के टॉलरेंस ओवल में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराकर टेस्ट क्रिकेट में अपनी पहली जीत दर्ज की। जैसे ही लोर्कान टकर ने विजयी रन मारा, उनके खेमे में पहली बार रेड-बॉल क्रिकेट में जीत की खुशी छा गई। पहला टेस्ट मैच जीतने के साथ ही इतिहास रच दिया।

इस जीत के साथ, आयरलैंड ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में पहली जीत दर्ज करने के लिए खेले गए मैचों की संख्या के मामले में भारत, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसी मजबूत टीमों को पछाड़ दिया है। इन सभी टीमों ने पहली बार कोई टेस्ट मैच जीतने के लिए आयरलैंड से अधिक मैच खेले।

जहां तक टेस्ट मैच की बात है तो अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन मार्क अडायर की असाधारण गेंदबाजी ने उन्हें सिर्फ 155 रन पर समेट दिया। अडायर ने सिर्फ 39 रन देकर पांच विकेट लिए, जबकि इब्राहिम जादरान ने 53 रन बनाए, जबकि करीम जनत 41 रन बनाकर नाबाद लौटे।

जवाब में आयरलैंड ने अपनी पहली पारी में 263 रन बनाए और 108 रन की अहम बढ़त हासिल की है। अफगानिस्तान ने अपने दूसरी पारी में बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन फिर भी उनका कोई भी बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं बना सका। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 55 रन बनाए।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 61 अंक चढ़ा निफ्टी 22350 के पार

नई दिल्ली। मेटल, ऑटो और एफएमसीजी शेयरों में तेजी के चलते प्रमुख भारतीय सूचकांकों में शनिवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त दर्ज की गई। विशेष सत्र के दौरान एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 73,994.7 का नया सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज करने के बाद 73,806.15 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 60.80 अंक या 0.08% की बढ़त के साथ 22,378.40 पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र के दौरान 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 22,419.55 अंक की नई ऊंचाई पर पहुंचा। निफ्टी के 35 स्टॉक हरे निशान पर बंद हुए जबकि 14 लाल निशान पर बंद हुए। निफ्टी के एक स्टॉक में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। शनिवार के कारोबारी सेशन के दौरान बाजार की बढ़त में सबसे ज्यादा योगदान टाटा स्टील का रहा। उसके बाद आईटीसी और टाटा मोटर्स के शेयरों में बढ़त दिखी।

सरकार ने 39,000 करोड़ रु. के अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

नईदिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने 39,125 करोड़ रुपये के पांच प्रमुख पूंजी अधिग्रहण अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए। सभी सौदे ब्रह्मोस मिसाइलों से लेकर लड़ाकू जेट इंजन और उच्च-शक्ति राडार तक घरेलू निर्माताओं, राज्य के स्वामित्व वाले और निजी दोनों के साथ हस्ताक्षरित किए गए थे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये सौदे स्वदेशी क्षमताओं को और मजबूत करेंगे, विदेशी मुद्रा बचाएंगे और भविष्य में विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता कम करेंगे। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों और जहाज-जनित ब्रह्मोस सिस्टम की खरीद के लिए ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 20,506 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसे हाल ही में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने मंजूरी दे दी थी।

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड को नेशनल स्केल रेटिंग

नईदिल्ली। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी की क्रेडिट रेटिंग को लेकर खबर आई है। कंपनी ने रेटिंग के बारे में जानकारी देते हुए बाजार को बताया कि एएम बेस्ट ने कंपनी की क्रेडिट रेटिंग को बनाए रखने के साथ उसे नेशनल स्केल रेटिंग जारी की है। नेशनल स्केल रेटिंग का मतलब है कि किसी देश की अपनी परिस्थितियों के आधार पर एक कंपनी की उस देश में मौजूद अन्य कंपनियों के मुकाबले किसी रेटिंग कैसी है। वहीं इस खबर के बाद से शनिवार के स्पेशल सेशन में आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के शेयर में भी हल्की तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर बाजार को जो जानकारी दी है उसके अनुसार, रेटिंग एजेंसी एएम बेस्ट ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी को बी डबल प्लस की फाइनेंशियल स्ट्रेंथ रेटिंग और ट्रिपल बी प्लस की लॉन्ग टर्म इश्यूर क्रेडिट रेटिंग दी है।

एंकर निवेशकों से आरके स्वामी ने जुटाए 187 करोड़ रु.

नईदिल्ली। मार्केटिंग सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी आरके स्वामी लिमिटेड अपना आईपीओ ला रही है। निवेश के लिए इस आईपीओ के खुलने की तारीख 4 मार्च है, इच्छुक निवेशक इस आईपीओ में 6 मार्च तक पैसा लगा सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ खुलने से ही पहले एंकर निवेशकों से 187.22 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू शुक्रवार 1 मार्च को बोली के लिए खुला था। कंपनी अपने आईपीओ से कुल 424 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। कंपनी के इसके लिए प्राइस बैंड तय कर दिया है। 270-288 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड रखा गया है। इस आईपीओ से कंपनी 423 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही है। इस इश्यू के मर्चेंट बैंकर की बात करें तो इसमें एसबीआई कैपिटल मार्केट्स, आईआईएफएल सिक्योरिटीज और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी शामिल हैं।

खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ता भारत

प्रो. टीवी कट्टीमनी

भारत नियमित तौर पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में हिस्सा लेता आया है। कबड्डी, खो-खो, मल्लखंब, तीरंदाजी और कुश्ती जैसे स्वदेशी खेल अब अंतरराष्ट्रीय खेल क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं। शिक्षा और प्रशिक्षण के सभी क्षेत्रों में खेल और शारीरिक शिक्षा को मजबूत करने का प्रयास निरंतर चल रहा है। इस क्षेत्र में उठाया गया पहला कदम प्री-प्राइमरी से परास्नातक तक शिक्षा के मुख्य पाठ्यक्रम में खेल व शारीरिक शिक्षा को शामिल करना है। एनईपी 2020 ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान और भाषा शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक शिक्षा पर भी जोर दिया है। यह भारतीय युवाओं को फिट और स्वस्थ बनाने की प्रक्रिया में गेम चेंजर साबित होगा।

एनईपी 2020 की वजह से कोई भी खेल में करियर का सपना देख सकता है। क्रिकेट को एक पेशे के रूप में चुनना हमेशा से हम भारतीयों का शौक रहा है। फुटबॉल भी एक महत्वपूर्ण पेशे के रूप में उभर रहा है। पैरा एशियाई गेम्स 2023 में, भारत ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ अभियान समाप्त किया और कुल 111 पदक के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। यह भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इसी तरह हॉकी हमारा स्वदेशी खेल है। वर्ष 1928 में बर्लिन ओलंपिक में प्रतिष्ठित आदिवासी खिलाड़ी जयपाल सिंह मुंडा की कप्तानी में भारत ने हॉकी में स्वर्ण पदक जीता था। उसी ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद को हॉकी के 'जादूगर' के रूप में प्रतिष्ठित किया। इन दिनों भारतीय हॉकी टीम में ओडिशा और झारखंड के आदिवासी खिलाड़ियों की बड़ी हिस्सेदारी है।

पद्मश्री दिलीप तिर्की ओडिशा के

जनजाति हैं। वह 1928 में जयपाल सिंह मुंडा के बाद ओलिंपिक में भारतीय कप्तान बनने वाले दूसरे आदिवासी खिलाड़ी हैं। इसी तरह कोमलिका बारी झारखंड के जमशेदपुर की हैं। उन्होंने मैड्रिड में विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप के महिला कैडेट रिकर्व वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। मणिपुर की मैरी कॉम क्रमशः 2005, 2006, 2008, 2010, 2012 और 2018 में छह बार मुक्केबाजी में विश्व चैंपियन रह चुकी हैं। वह पद्म विभूषण के लिए नामांकित होने वाली पहली महिला एथलीट हैं। इस श्रेणी में दुती चंद के पास वर्तमान में महिलाओं की 100 मीटर राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब है। वह ओलिंपिक ग्रीष्मकालीन खेलों के महिला 100 मीटर फाइनल में जगह बनाने वाली तीसरी भारतीय महिला हैं।

बाइचुंग भूटिया भारतीय फुटबॉल के अग्रदूतों में से एक है। सिक्किम के बाइचुंग को ऐसे खिलाड़ी के रूप में माना जा सकता है जिन्होंने फुटबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 2011 में फुटबॉल छोड़ने से पहले लगातार 16 वर्षों तक भारतीय फुटबॉल टीम के लिए खेला और कप्तान रहे। वर्ष 2018 में महिला हॉकी विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली 18 सदस्यीय टीम में शामिल 19 वर्षीय लालरेम्सियामी देश में चयनित होने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी रही हैं। बिना अधिक महत्व, समर्थन, मार्गदर्शन और वित्तीय स्थिरता के अभाव में भी हमारे देश के आदिवासी युवा हॉकी, फुटबॉल, लंबी कूद, ऊंची कूद, तैराकी, साइकिलिंग और एथलेटिक्स में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसे देखते हुए केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कुछ समय पहले 'सीआरआइआइआइओ 4 गुड' लॉन्च किया। यह जीवन कौशल सीखने का मॉड्यूल है, जिसमें आठ क्रिकेट आधारित एनिमेशन फिल्मों की एक श्रृंखला शामिल है, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, लड़कियों को जीवन कौशल से परिचित कराने और स्कूलों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है। 'सीआरआइआइआइओ 4 गुड' के माध्यम से खेल की शक्ति और क्रिकेट की लोकप्रियता का उपयोग बालिकाओं को सशक्त बनाने और लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता फैलाने के माध्यम के रूप में किया जा सकता है। इस मॉड्यूल के माध्यम से देश के लोग देशज खेलों की शक्ति से परिचित हो रहे हैं।

कही-सुनी

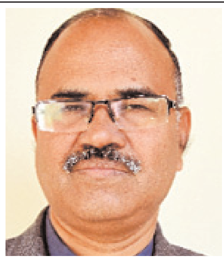

रवि भोई

भाजपा के दो नेता दारू के खेल से हुए आउट

कहते हैं प्रदेश स्तर के दो भाजपा नेता दारू के खेल में पूरी तरह सक्रिय होने से पहले ही आउट हो गए। खबर है पार्टी फंड के नाम से ये नेता शराब के धंधे में परोक्ष रूप से उतरना चाहते थे। इसके लिए दोनों नेताओं ने अपना गोटी बैठाया था। एक नेता ने अपने रिश्तेदार को दारू सप्लाई करने वाली एक कंपनी की चाबी भी दिलवा दी थी। कहा जा रहा है कि अपने मन मुताबिक शराब नीति बनवाने के लिए ये दोनों नेता आबकारी विभाग से जुड़े एक आला अफसर से मिले भी और उन्हें अपनी ख्वाहिश बताई। अफसर ने यह बात एक मंत्री को बता दी। चर्चा है कि मंत्री से होते हुए बात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तक जा पहुंची। मुख्यमंत्री तक बात पहुंच जाने से वस्तुस्थिति का पता लगाया गया। खेल समझ आते ही दोनों नेता को मैदान में उतरने से पहले ही आउट कर दिया गया। बताते हैं भाजपा के ये दोनों नेता विधानसभा चुनाव के वक्त हवा में थे। सरकार आने के बाद भी उड़ना चाहते थे। माना जा रहा है कि साय सरकार की शराब नीति इस महीने के मध्य तक आ जाएगी। अब शराब के काम एक पुराने खिलाड़ी को दिए जाने की चर्चा है। 15 साल के भाजपा राज में इस खिलाड़ी ने अपने हाथ का जादू दिखाया था। कहा जा रहा है कि पुराने खिलाड़ी के हाथों शराब की बागडोर सौंपने में भी भाजपा के कुछ नेताओं का हाथ है।

छत्तीसगढ़ के मंत्रियों की उड़ी हवाइयां

कहते हैं पिछले दिनों भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी एल संतोष ने एक मीटिंग में साफ़ कर दिया कि राज्य के मंत्रियों के छह महीने के कामकाज और व्यवहार के आधार पर ही आगे की नियमितता तय होगी। कहा जा रहा है कि बी एल संतोष के दो टूक से साय मंत्रिमंडल के कई सदस्यों की जमीन अभी से खिसकने लगी है। राज्य में साय मंत्रिमंडल का गठन दिसंबर में हुआ है। बताते हैं लोकसभा चुनाव के बाद मंत्रियों का परफॉर्मेंस जांचा जाएगा। साय मंत्रिमंडल में बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, केदार कश्यप और दयालदास बघेल के अलावा सभी पहली बार मंत्री बने हैं। साय के कुछ मंत्री संसदीय ज्ञान का ककहरा सीख रहे हैं। बताते हैं विधानसभा के बजट सत्र में कुछ मंत्री विपक्षी सदस्यों के जाल में उलझ गए थे। फाइलों के निपटारे में भी कुछ मंत्री अपने स्टाफ पर ही निर्भर बताए जाते हैं। अब देखते हैं लोकसभा चुनाव के बाद क्या होता है ?

मुसीबत में कांग्रेस के नेता

कहा जा रहा है कि एक तो लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस को अच्छे और खर्च कर सकने वाले उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं जो हैं उनमें से कुछ ईडी और आयकर विभाग के निशाने पर हैं या विवादों में उलझ गए हैं। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत को लोकसभा चुनाव में सरगुजा सीट से कांग्रेस का सशक्त दावेदार माना जा रहा था। आयकर छापे के बाद अमरजीत भगत पर संकट के बादल छा गए हैं। अमरजीत भगत के साथ उनके समर्थक और शुभचिंतक भी केंद्रीय जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। पूर्व मंत्री अनिला भेंड़िया के

कांकेर सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा थी। पूर्व पीए के ईडी के निशाने पर आने से अनिला भेड़िया पर भी खतरा मंडराने लगा है। जांजगीर सीट से पूर्व मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया का नाम चल रहा है। पत्नी का मामला सुर्ख़ियों में होने से डहरिया के रास्ते में भी कांटे बिछने लगा है। रायपुर, महासमुंद, बिलासपुर और राजनांदगांव जैसी सीटों के लिए भी कांग्रेस को कोई मजबूत दावेदार दिखाई नहीं दे रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रायपुर या आसपास की सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ाए जाने की चर्चा है।

अमित जोगी का क्या होगा ?

कहते हैं छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के नेता अमित जोगी भाजपा से तालमेल कर कोरबा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनकी मुलाक़ात के बाद संभावनाओं को हवा मिली। लेकिन अब कोरबा सीट से भाजपा की नेता सरोज पांडे का नाम चलने लगा है। बताते हैं कि भाजपा हाईकमान ने सरोज पांडे को कोरबा से लड़ाने का मन लगभग बना लिया है। सरोज पांडे भी कोरबा से नाता जोड़ने में जी-जान से जुट गई हैं। ऐसे में अब कहा जाने लगा है अमित जोगी का क्या होगा ? विधानसभा चुनाव में जोगी कांग्रेस और भाजपा काफी फ्रेंडली थी। यह अलग बात है कि जोगी कांग्रेस विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सकी और करीब दो दशक तक राज्य की राजनीति में सुर्ख़ियों में रहने वाला जोगी परिवार परदे के पीछे चला गया। कोरबा से अमित जोगी का नाम सामने आने पर उम्मीदों का तारा टिमटिमाया था। अब देखते हैं आगे क्या होता है।

तीन अफसरों में यशवंत को चुना राज्यपाल ने

कहते हैं राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने अपना

सचिव बनाने के लिए तीन अफसरों में से 2007 बैच के अफसर यशवंत कुमार को चुना। बताते हैं कि सरकार ने राज्यपाल के सचिव के लिए श्री हरिचंदन के पास तीन अफसरों का पैनल भेजा था। पैनल में यशवंत कुमार के अलावा एक महिला आईएएस और 2008 बैच के एक अफसर का नाम था। यशवंत कुमार को राज्यपाल के सचिव का प्रभार अतिरिक्त रूप से सौंपा गया है। यशवंत कुमार ग्रामोद्योग विभाग के सचिव के साथ ग्रामोद्योग विभाग से जुड़े निगमों के प्रबंध संचालक भी हैं। लंबे समय से संविदा पर चल रहे राज्यपाल के सचिव अमृत खलखो की विदाई के बाद यशवंत कुमार को राजभवन भेजा गया। कहा जा रहा है कि राजभवन में उपसचिव और अन्य कुछ पद अब भी रिक्त हैं।

चलते रहेंगे अशोक जुनेजा

कहा जा रहा है कि राज्य के डीजीपी अशोक जुनेजा कम से कम लोकसभा चुनाव तक तो चलते रहेंगे। माना जा रहा है कि 12 मार्च तक लोकसभा चुनाव की घोषणा हो जाएगी। आचार संहिता के दौरान डीजीपी बदलने के बारे में चुनाव आयोग ही फैसला ले सकता है। अशोक जुनेजा भाजपा सरकार में करीब-करीब तीन महीने काट चुके हैं। भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही अशोक जुनेजा को डीजीपी के पद से हटाए जाने की अटकलें चल पड़ी थी। विधानसभा चुनाव के वक्त भाजपा के नेताओं ने चुनाव आयोग से डीजीपी की शिकायत की थी। 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद भी तकनीकी आधार पर अशोक जुनेजा डीजीपी बने हुए हैं। 1992 बैच के आईपीएस अरुणदेव गौतम और पवनदेव डीजी की कतार में हैं। लेकिन अभी तक दोनों की पदोन्नति के लिए डीपीसी नहीं हुई है।

किस्मत के धनी श्रीनिवास राव

बताते हैं सरकार ने 1990 बैच के आईएफएस अनिल कुमार राय को पीसीसीएफ बनाने का मन बना लिया था, लेकिन मई महीने में ही रिटायमेंट होने के

कारण मामला अटक गया और पीसीसीएफ वी श्रीनिवास राव की कुर्सी यथावत बनी रही। राज्य के आईएफएस अफसरों में अभी 1988 बैच के आईएफएस सुधीर अग्रवाल सबसे वरिष्ठ हैं और उनके पास वन्य प्राणी का प्रभार है, लेकिन पिछले दिनों वन्य प्राणियों की मौत को लेकर विपक्ष जिस तरह सरकार पर हमलावर रहा, वह सुधीर अग्रवाल के लिए नकारत्मक हो गया। श्रीनिवास राव छह अफसरों को लांघ कर पीसीसीएफ बने हैं और जिस तरह वन विभाग में परिदृश्य है और लोकसभा चुनाव सिर पर है,उससे लगता है वे चलते रहेंगे। श्रीनिवास राव को कांग्रेस सरकार ने पीसीसीएफ बनाया था। इस कारण राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद उनको बदले जाने की अटकलें तेजी से चली।

सचिव स्तर पर फेरबदल संभव

माना जा रहा है कि मार्च के पहले हफ्ते में सचिव स्तर के अफसरों में फेरबदल हो सकता है। केंद्र सरकार से प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे 2005 बैच के आईएएस मुकेश बंसल ने मंत्रालय में ज्वाइनिंग दे दी है, पर अभी उनकी कहीं पोस्टिंग नहीं हुई है। 1994 बैच की आईएएस ऋचा शर्मा अप्रैल में छत्तीसगढ़ में ज्वाइनिंग देंगी, पर 1999 बैच के सोनमणि बोरा और 2003 बैच के अविनाश चंपावत के मार्च में राज्य में ज्वाइनिंग की संभावना है। इस कारण मंत्रालय में सचिव स्तर में फेरबदल की अटकलें हैं। इसके अलावा कुछ मंत्री अपनी पसंद का सचिव चाहते हैं। कहते हैं जिले से आए कुछ आईएएस अभी बिना विभाग के हैं। इस फेरबदल में उन्हें भी काम दे दिए जाने की उम्मीद है। कयास लगाया जा रहा है कि सचिव स्तर के फेरबदल में दो या तीन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे अफसर हल्के होंगे।

17 प्रकोष्ठों के माध्यम से जनता को साधेगी भाजपा

3 मार्च को होगी समस्त प्रकोष्ठों की संयुक्त सम्मेलन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के समस्त प्रकोष्ठों का एक दिवसीय सम्मेलन आगामी 3 मार्च को सुबह 10.30 बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं समस्त प्रकोष्ठों के संयोजक रामजी भारती ने शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल सहित समस्त 17 प्रकोष्ठों के संयोजक, अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री रामजी भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में तेजी विकास कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2047 तक देश को विकसित भारत का संकल्प किया है। इसके लिए देश भर से 1 करोड़ से ज्यादा सुझाव लिए जायेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है की भाजपा की सरकार गरीबों के कल्याण के लिए संकल्पित सरकार है। केंद्र की मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है और देश की जनता इनका लाभ भी ले रही है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री भारती ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा जोरशोर से तैयारियों में जुट गई है। चुनाव प्रबंधन समिति, क्लस्टर प्रभारियों की नियुक्ति कर दी गई है। अबकी बार 400 पार का संकल्प लेकर भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्पित है। भारती ने बताया कि सम्मेलन में समस्त प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव के लिए जिम्मेदारियां सौंपी जाएगी। इस बैठक में प्रकोष्ठों के दायित्व व कार्य का विभाजन होगा जिसके अंतर्गत केंद्र की योजनाओं को लेकर जनता और लाभार्थियों से मिलना है, प्रत्येक बूथ के 10 घरों में झंडा लगाना है, बूथ में 10 दीवार लेखन करना है। जगह-जगह चौपाल लगाकर केंद्र की योजनाओं से जनता से चर्चा करनी है। यह अभियान 3 मार्च से शुरू होकर यह आगामी लोकसभा चुनाव तक जारी रहेगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री भारती ने कहा कि इसके लिए सभी प्रकोष्ठों को पार्टी द्वारा जिम्मेदारियाँ दी गई है। विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता अधिवक्ता, विधि एवं कानून से जुड़े लोगों से मिलेंगे और भाजपा की रीति नीति एवं विचारधारा के बारे में बताएंगे। उसी तरह आर्थिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता आर्थिक क्षेत्र के लोगों से, एन.जी.ओ. प्रकोष्ठ स्वयंसेवी संगठन के लोगों से मिलेंगे। चिकित्सा प्रकोष्ठ चिकित्सा एवं चिकित्सकीय पेशे के लोगों से मिलकर उनसे चर्चा करेंगे।

ऐसा कार्य करें जिनसे आपकी पहचान और प्रतिष्ठा बढ़े : साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज अपने कोरबा प्रवास के दौरान जिले में विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि कोरबा प्रदेश की ऊर्जा धानी है। यहां कार्य करने की असीम संभावनाएं है, संसाधनों की कोई कमी नही है, बहुमूल्य खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। सभी अधिकारी नई ऊर्जा व उत्साह के साथ काम करें। सभी अधिकारी अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं

का लाभ लोगों तक प्राथमिकता से पहुँचाएं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक प्रेमचंद पटेल, कोरबा के महापौर राजकिशोर प्रसाद, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, कलेक्टर श्री अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ श्री अरविंद पीएम, श्री कुमार निशांत, जिला पंचायत के सीईओ श्री संबित मिश्रा और नगर निगम की आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

महतारी वंदन: मोदी के हाथों लाभार्थियों को राशि दिलाने की तैयारी

रायपुर। लोकसभा चुनाव का छत्तीसगढ़ में केंद्रीय मंत्री अमित शाह जांजगीर चांपा में सभा लेकर चुनाव बिगुल फूंक चुके हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 8 मार्च को रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान पर आमसभा की तैयारी है। इसके दूसरे ही दिन केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की भी साइंस कॉलेज मैदान पर ही आमसभा होगी। इस सभा में किसानों का महासम्मेलन होगा।प्रदेश सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत महतारी वंदन योजना के लिए प्रदेश भर में फार्म भरवाने का काम किया है। अब 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सभी पात्र महिलाओं को पहली किस्त दिलाने की तैयारी है। वैसे भी भाजपा के राष्ट्रीय संगठन की यह तैयारी चल रही है कि आचार संहिता लगने से पहले प्रधानमंत्री की ज्यादा से ज्यादा राज्यों में सभा हो जाए। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने में भाजपा द्वारा दी गई मोदी की गारंटी की अहम भूमिका रही है। अब प्रदेश की भाजपा सरकार एक-एक करके मोदी की गारंटी को पूरा करने में लगी है। इसी कड़ी में यहां पर महतारी वंदन योजना को लेकर प्रदेश की विवाहित महिलाओं से आवेदन मंगाए गए हैं।

नक्सलियों को उनकी मांद में घुसकर मारेंगे: केदार गुप्ता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमेशा नक्सलवाद के खिलाफ है और जब जब हमारी सरकार आती है तब तब हम नक्सलियों को उसकी मांद में घुसकर मारते हैं। अभी हमारी सरकारको बने तीन माह ही हुए है और हिड़मा के गांव में पुलिस चौकी बन गई। विगत एक सप्ताह में आधा दर्जन नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया , जिससे नक्सलीयो का मनोबल लगातार गिर रहा है इसलिए बौखला कर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की हत्या कर है, जो इस बात का सबूत है कि नक्सली भारतीय जनता पार्टी की सरकार की कार्रवाई से घबराए हुए और अपने वजूद को बताने बौखलाकर भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर रहे है ।हमारे कार्यकर्ताओ की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। शहादत हुई है मैं उनके परिवार के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति दे और उन्हें श्रद्धांलि देता हूं। मैं फिर से कहता हूं कि भाजपा जब संकल्प लेती हैं तो उसे पूरा करती है। कश्मीर से धारा 370 हटाया, प्रभु श्रीराम का मंदिर बनवाया और भाजपा कृतसंकल्पित है कि नक्सलवाद के दंश को कोई खत्म करेगा.

लोकसभा चुनाव: प्रत्याशी घोषित होने के बाद आज भाजपा की बड़ी बैठक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के समस्त प्रकोष्ठों का एक दिवसीय सम्मेलन रविवार को सुबह दस बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं समस्त प्रकोष्ठों के संयोजक रामजी भारती ने शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल सहित समस्त 17 प्रकोष्ठों के संयोजक, अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में तेजी विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक देश को विकसित भारत का संकल्प किया है। इसके लिए देश भर से 1 करोड़ से ज्यादा सुझाव लिए जायेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भाजपा की सरकार गरीबों के कल्याण के लिए संकल्पित सरकार है। केंद्र की मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है और देश की जनता इनका लाभ भी ले रही है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री भारती ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा जोरशोर से तैयारियों में जुट गई है।

महतारी वंदन योजना: आधार सीडिंग के लिए आज भी खुले रहेंगे बैंक

रायपुर। निदेशक, संस्थागत वित्त निदेशालय छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के

लाभार्थियों के खातों में आधार सीडिंग की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की गई। इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी की संयुक्त अध्यक्षता में एसएलबीसी संयोजक और सदस्य बैंकों के साथ महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों से आधार कार्ड को जोड़ने के मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में सचिव, महिला एवं बाल विकास श्रीमती शम्मी आबिदी ने छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों के खातों से आधार कार्ड लिंक करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिलों में स्टेट बैंक की शाखाएं आधार सीडिंग प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए जिला अधिकारियों के साथ सहयोग करें। उन्होंने एसएलबीसी संयोजक को निर्देश दिया कि वे अपनी शाखाओं को खातों की आधार सीडिंग को प्राथमिकता देने और कार्य को युद्ध स्तर पर पूरा करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करें। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका भी ध्यान रखा जाए।

पान ठेला में हुक्का बार का सामान बेचने वाले 2 गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय संतोष कुमार सिंह के

दिशा निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा निजात अभियान के तहत नशे के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें समस्त थाना एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रहीं है। नारकोटिक्स एक्ट पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की विशेष टीम का गठन किया गया है साथ ही समस्त थाना प्रभारियों को नशे की सामाग्री बिक्री करने वालों एवं सप्लाई करने वालों पर कठोर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में दिनांक एक मार्च को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना गोलबाजार क्षेत्रांतर्गत जयस्तंभ चैक के पास मयूरा होटल के बाजू स्थित राज पान पैलेस में प्रतिबंधित हुक्का से संबंधित सामग्रियों की बिक्री की जा रहीं है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध श्री पीताम्बर सिंह पटेल, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली योगेश साहू तथा उप पुलिस अधीक्षक क्राईम दिनेश सिन्हा द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी गोलबाजार को सूचना की तस्दीक कर आरोपियों को हुक्का से संबंधित प्रतिबंधित सामग्रियों के साथ रंगे हाथ पकड़ने निर्देशित किया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने शास्त्री बाजार में महंगी सब्जी खरीदकर विरोध जताया

महंगाई को लेकर कांग्रेस का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

रायपुर। महंगाई को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राजधानी के शास्त्री बाजार आम आदमी और सब्जी विक्रेताओं से मिलकर बढ़ती महंगाई पर चर्चा किया। इस दौरान उन्होंने सब्जियां भी खरीदा। प्रदेश अध्यक्ष ने अदरक, लहसून, मटर, चना, गाजर, टमाटर आदि सब्जियां भी खरीदा। इस अनोखे विरोध प्रदर्शन में प्रदेश भर में जिला कांग्रेस कमेटियों के नेतृत्व में कांग्रेसजन सब्जियां, किराना सामानो को

खरीद कर बढ़ती महंगाई का विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 100 दिन में महंगाई कम करने का वायदा कर सरकार में आये मोदी के राज में महंगाई 50 सालों में सबसे ऊंचे पायदान पर है। जनता की कमर महंगाई से टूट गयी है। आम आदमी के रसोई का बजट बिगड़ गया है। खाने के तेल और दाल की कीमत 70 रु. और 60 रु. प्रति किलो थी, वह 200 रू. प्रति किलो को पार कर गई है। इतना ही नहीं, बीते दिनों जीएसटी की बर्बर मार से दही, पनीर, लस्सी, आटा, सूखा सोयाबीन, मटर व मुरमुरे भी बच नहीं सके, उन पर भी 5 फीसदी जीएसटी लगा दिया गया। होटल के 1,000 रु. के कमरे पर 12 प्रतिशत जीएसटी मोदी सरकार वसूल रही है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रु. का था, आज वह 1000 रु. के पार है। पेट्रोल के दाम 70 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 102 रु. प्रति लीटर के पार हो गए हैं जबकि डीजल के दाम 55 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 95.44 रु. प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में क्रूड आयल का दाम लगातार कम हो रहे है। 2014 की तुलना में वर्तमान में क्रूड आयल आधे रेट में मिल रहा है लेकिन उसका लाभ आम जनता को नही मिल रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस महंगाई के खिलाफ जनता की लड़ाई जारी रखेगी। आज का यह आंदोलन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा। हम जनता की आवाज को आगे भी उठाते रहेंगे।

सब्जियाँ खरीदने वाले कांग्रेसी राजनीतिक नौटंकी कर रहे - भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा एवं प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने रोजमर्रा की वस्तुएँ व सब्जियाँ खरीदकर कांग्रेस नेताओं द्वारा महंगाई के विरोध को महज राजनीतिक नौटंकी करार दिया और कहा कि आज महंगाई के नाम पर घड़ियाली आँसू बहा रहे कांग्रेसी पहले अपने गिरेबाँ में झाँकें और देश को बताएँ कि कांग्रेस के शासनकाल में महंगाई की दर कितनी ज्यादा थी। भाजपा नेत्री द्वय ने कहा कि यूपीए के शासन में आज की तुलना में दुगुनी कीमत पर लोगों को रोजमर्रा की चीजें मुहैया हो रही थीं। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा एवं प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि गरीब कल्याण योजना के तहत गरीबों को मिलने वाले नि:शुल्क राशन को डकार जाने वाले और हजारों करोड़ रुपयों का घपला-घोटाला करके गरीबों का हक मारने वाले कांग्रेस के लोग आज पूरी निर्लज्जता के साथ महंगाई के नाम पर नौटंकी कर रहे हैं। दरअसल, अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए छटपटाती कांग्रेस की नियति ही यह हो चली है कि वह अब

जनकल्याण के जमीन से जुड़े मुद्दों से दूर छिटकती जा रही है। पहले कांग्रेस यह तो तय कर ले कि वह चाहती क्या है? भाजपा नेत्री द्वय ने पूछा कि क्या कांग्रेस को इस बात से परेशानी है कि आज सब्जी उत्पादक किसानों के उनकी उपज का सही मूल्य मिल रहा है? क्या कांग्रेस के लोग इस बात से परेशान हैं कि आज जनता को तमाम प्रकार के खाद्य पदार्थ वाजिब कीमत पर मिल रहे हैं? कांग्रेस ने कभी किसानों की फिक्र ही नहीं की। आज जब केंद्र सरकार किसानों की फिक्र करके और और उनको उनकी उपज का वाजिब मूल्य देकर उनके जीवन में खुशहाली लाने का काम कर रही है.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.